



मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर  
MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY JAIPUR  
(An Institute of National Importance)

# एमएनआईटी समाचार पत्रिका

मई संस्करण  
2025







# विषय सूची

- 3 निदेशक का संबोधन
- 4 प्रमुख कार्यक्रम
- 8 ब्लिट्ज़श्लाग
- 14 राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह
- 15 शैक्षणिक गतिविधियाँ
- 18 विभागीय झलक
- 29 छात्र गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ
- 32 अनुसंधान प्रकाशन और परियोजनाएँ
- 35 औद्योगिक दौरे
- 36 संकाय की उपलब्धियाँ
- 39 डीनरी की पहलें
- 40 पूर्व छात्रों की भागीदारी
- 42 पुस्तकालय कार्यक्रम और कार्यशालाएँ
- 43 क्लब गतिविधियाँ और कार्यशालाएँ
- 44 एमएनआईटी जयपुर का भ्रमण: विज्ञान और ज्ञान की खोज
- 48 खबरों में एमएनआईटी जयपुर
- 50 वेलनेस कॉर्नर



## निदेशक का संबोधन

प्रिय पाठकों,

गर्व और हर्ष के साथ मैं आपके समक्ष हमारे इस समाचार पत्र के नवीनतम संस्करण को प्रस्तुत कर रहा हूँ — यह हमारे मूल्यों, पहचान और हमारे भविष्य की दिशा का प्रतिबिंब है।

हर संस्था के कुछ विशिष्ट मुकाम होते हैं, लेकिन वास्तव में महत्वपूर्ण होती हैं वे कहानियाँ जो उन मुकामों के पीछे होती हैं — हमारे छात्रों की रात भर चलने वाली चर्चा और विचार-मंथन की ऊर्जा, हमारे संकाय सदस्यों की वह निष्ठा जो ज्ञान की सीमाओं को लगातार आगे बढ़ा रही है, और वे शांत पल जिनमें गहन सीख जन्म लेती है, जो भविष्य के नेतृत्व को आकार देते हैं। यह समाचार पत्र उन्हीं कहानियों का दस्तावेज़ है।

पिछले कुछ महीनों में, एमएनआईटी जयपुर, गतिविधियों का एक सशक्त, विविध और प्रेरणादायक केंद्र रहा है। हमने वैश्विक साझेदारियाँ स्थापित की हैं, जैसे कि यूनिवर्सिटी ऑफ सास्केचेवान के साथ एमओयू, और रेडॉक्स इंजीनियरिंग के साथ उद्योगिक सहयोग के माध्यम से हमारे संबंध और भी मजबूत हुए हैं। हमने लचीले सेंसरों पर उन्नत कार्यशालाओं से लेकर अत्याधुनिक तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण तक अनेक शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए हैं। ये प्रयास केवल विश्व के साथ कदम मिलाकर चलने के लिए नहीं हैं—बल्कि उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व करने के लिए हैं।



ब्लिट्ज़फ्लाग 2025 हमारी सामुदायिक भावना की एक सुंदर अभिव्यक्ति थी। कला, संगीत, रंगमंच, वाद-विवाद और नवाचार के चार दिन—जहाँ हर आवाज़ की अहमियत थी और हर प्रतिभा को मंच मिला। यह केवल एक महोत्सव नहीं था; यह आत्म-अभिव्यक्ति, समावेशन और हमारे छात्रों की असीम रचनात्मकता का उत्सव था।

चमक-धमक के परे, हमारे विभागों ने भी लगातार उत्कृष्टता दिखाई—GATE में सर्वश्रेष्ठ, विशेषज्ञ व्याख्यान, अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति, या नवाचार और सतत विकास के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता। हम अभिष उन्नत भारत के तहत सामुदायिक पहलों और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोहों के माध्यम से भी अपनी पहुंच का विस्तार करते हैं, जो न केवल शिक्षकों के रूप में, बल्कि समाज में योगदानकर्ताओं के रूप में हमारी भूमिका को दर्शाता है।

जो बात एमएनआईटी, जयपुर को वास्तव में असाधारण बनाती है, वह यह नहीं है कि हम क्या करते हैं, बल्कि हम इसे कैसे करते हैं—सहानुभूति के साथ, सहयोग की भावना के साथ, और निरंतर सुधार की अदम्य प्रेरणा के साथ। यह समाचार पत्र उसी भावना को समर्पित है।

जैसे-जैसे आप इसके पन्नों को पलटेंगे, मुझे आशा है कि आप केवल अद्यतन नहीं देखेंगे, बल्कि एक जीवंत, जिज्ञासु, प्रगतिशील और अत्यंत मानवीय संस्था की झलक देखेंगे।

आइए हम साथ मिलकर आगे बढ़ें, अपनी सफलताओं का उत्सव मनाएँ, चुनौतियों से सीखें, और अपने मूल्यों में जड़ें बनाए रखें। सप्रेम शुभकामनाओं और नवीन प्रेरणा के साथ,

**प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी**

**निदेशक, एमएनआईटी जयपुर**





## प्रमुख कार्यक्रम

### रणनीतिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग: यूनिवर्सिटी ऑफ सास्केचेवान के साथ समझौता ज्ञापन (MoU)

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने यूनिवर्सिटी ऑफ सास्केचेवान, सास्काटून, कनाडा के के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता औपचारिक रूप से प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, अध्यक्ष (प्रभारी), बोर्ड ऑफ गवर्नर्स एवं निदेशक, एमएनआईटी जयपुर, तथा डॉ. माइकल ब्रैडली, डीन, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ सास्केचेवान द्वारा हस्ताक्षरित किया गया।



यह रणनीतिक साझेदारी उन्नत अनुसंधान, शैक्षणिक आदान-प्रदान, नवाचार-प्रेरित शिक्षा तथा दोनों संस्थानों के बीच संयुक्त पहलों जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है। यह समझौता दोनों संस्थानों की वैश्विक संबंधों को मजबूत करने और छात्रों व संकाय सदस्यों के लिए नए अवसर सृजित करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।





## प्रमुख कार्यक्रम

### उत्कृष्टता का सम्मान: प्रो. अशुतोष शर्मा को बधाई

एमएनआईटी जयपुर ने विज्ञान भारती राजस्थान के सहयोग से एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (INSA) के अध्यक्ष एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST), भारत सरकार के पूर्व सचिव प्रो. अशुतोष शर्मा को भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान, पद्म श्री के लिए नामित किए जाने पर सम्मानित किया गया।



यह सम्मान समारोह प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, अध्यक्ष बोर्ड ऑफ गवर्नर्स एवं निदेशक, एमएनआईटी जयपुर, तथा डॉ. मेघेन्द्र शर्मा, सचिव, विज्ञान भारती राजस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। अपने स्वागत भाषण में प्रो. पाढ़ीने प्रो. शर्मा के नेतृत्व में DST द्वारा प्राप्त क्रांतिकारी प्रगति को रेखांकित किया। प्रो. शर्मा ने अपने मुख्य वक्तव्य में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और जन-प्रभाव के बढ़ते समन्वय पर बल दिया, और यह भी उल्लेख किया कि भारत में स्टार्टअप्स की संख्या 2014 में 100 से बढ़कर 2025 तक 1,40,000 से अधिक हो गई है—यह विज्ञान-प्रेरित विकास की दिशा में एक उल्लेखनीय परिवर्तन है।



इस कार्यक्रम में अनेक विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया, जिनमें कुलपति, निदेशकगण, REPC, CSIR-CEERI, विज्ञान भारती राजस्थान तथा शैक्षणिक जगत के प्रतिनिधि सम्मिलित थे। कार्यक्रम का संचालन एमएनआईटी जयपुर के डॉ. राजीव अग्रवाल द्वारा किया गया।

### रेडॉक्स इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड (आरईपीएल) के साथ समझौता ज्ञापन: उद्योग-अकादमिक संबंधों को सशक्त बनाना

एमएनआईटी जयपुर ने 27 फरवरी 2025 को रेडॉक्स इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड (आरईपीएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए, जो उद्योग और शिक्षा के बीच सहयोग को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह समझौता विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, पीएच.डी. सह-मार्गदर्शन, और सम्मेलन व कार्यशालाओं के आयोजन जैसी संयुक्त पहलों को बढ़ावा देगा।



## प्रमुख कार्यक्रम

हस्ताक्षर समारोह में प्रो. दिलीप शर्मा (डीन, अंतरराष्ट्रीय एवं पूर्व छात्र मामलों), डॉ. प्रेरणा जैन (एसोसिएट डीन, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों), डॉ. सुशांत उपाध्याय (प्रमुख, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग), एवं डॉ. सुब्बारमय्या उपस्थित थे। साथ ही REPL की ओर से श्री सौरभ शुक्ला (निदेशक), सुश्री लाविना जियानी (एचआर मैनेजर), एवं श्री गौरव गिरी गोस्वामी (प्रोक्योरमेंट मैनेजर) उपस्थित रहे।



प्रतिनिधिमंडल ने रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के संकाय सदस्यों, छात्रों एवं शोधार्थियों के साथ सार्थक विचार-विमर्श भी किया, जिससे नवाचार और साझा विकास के प्रति दोनों पक्षों की प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ हुई।



### एमएनआईटी जयपुर और एनएफसी के बीच अनुसंधान एवं शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने 28 मार्च 2025 को भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स (एनएफसी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य अनुसंधान, शैक्षणिक आदान-प्रदान और संयुक्त कार्यक्रमों में सहयोग को बढ़ावा देना है।

यह MoU ज्ञान के उन्नयन और आपसी लाभ को साकार करने में सहायक होगा, जैसे कि एमएनआईटी के स्नातक/परास्नातक छात्रों के लिए इंटरनशिप के अवसर, एनएफसी के कर्मचारियों के लिए परास्नातक/पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश, संयुक्त शोध परियोजनाओं का संचालन, और नियमित संवाद व सहयोग को प्रोत्साहित करना।

यह सहयोग दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करेगा और देश के वैज्ञानिक व तकनीकी क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देगा।







## प्रमुख कार्यक्रम

### आईएनआई के सहयोग से दो दिवसीय कार्यशाला

एमएनआईटी जयपुर ने आईएनआई (INAE) के सहयोग से 7 से 8 फरवरी 2025 तक "टेक-ड्रिवन वर्ल्ड के लिए महिला नेतृत्वकर्ता" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यशाला का आयोजन प्रो. रोहित भाकर और डॉ. स्वाति शर्मा द्वारा किया गया था, जिसका उद्देश्य STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में महिलाओं को नेतृत्व, विविधता और नवाचार के माध्यम से सशक्त बनाना था।



मुख्य अतिथि डॉ. चंद्रिका कौशिक (महानिदेशक, पीसी और एसआई) ने "ट्रेलब्लेज़र महिला नेतृत्वकर्ता" विषय पर एक प्रेरणादायक मुख्य भाषण प्रस्तुत किया। प्रो. नारायण प्रसाद पाढी(निदेशक, एमएनआईटी जयपुर) ने संस्थान की समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया। अन्य प्रमुख वक्ताओं में शामिल थीं: सुश्री प्रभा गोयल (कार्यकारी निदेशक, बीईएल), डॉ. विभा त्रिपाठी (सीईओ, बून), सुश्री अनुश्री श्रीवास्तव (ग्लोबल स्ट्रैटेजिक लीडर), सुश्री अल्का सिंह (एजुकेट गर्ल्स फाउंडेशन)।

शैक्षणिक और औद्योगिक क्षेत्रों से विविध सहभागिता के साथ, कार्यशाला में नेतृत्व, तकनीकी उद्यम, मानसिक स्वास्थ्य और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने जैसे विषयों पर प्रभावशाली चर्चाएँ हुईं, जो एक प्रगतिशील समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुईं।







# ब्लिट्ज़श्लग 2025:







# ब्लिट्ज़श्लाग 2025:

## संस्कृति, रचनात्मकता और समुदाय का उत्सव

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने अपने वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव ब्लिट्ज़श्लाग 2025 का आयोजन 6 से 9 फरवरी 2025 तक किया। यह चार दिवसीय महोत्सव उत्साहपूर्ण आयोजनों, कलात्मक अभिव्यक्ति और छात्र सहभागिता से परिपूर्ण रहा। देश भर के संस्थानों की उत्साही भागीदारी के साथ, ब्लिट्ज़श्लाग ने एक बार फिर भारत के प्रमुख सांस्कृतिक उत्सवों में अपनी विशिष्ट पहचान को सिद्ध किया।

### दिवस 0: उद्घाटन समारोह और प्रारंभिक उत्सव

ब्लिट्ज़श्लाग 2025 का भव्य उद्घाटन 6 फरवरी 2025 को एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. कनुप्रिया सचदेव, एसोसिएट डीन (कल्चरल) प्रो. मीना त्रिपाठी, तथा आयोजन समिति के अन्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। समारोह की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें स्वागत भाषणों के साथ उत्सव की दृष्टि और उद्देश्य का विवरण प्रस्तुत किया गया।



शाम का समापन जोशपूर्ण डीजे नाइट और भव्य प्रॉम नाइट के साथ हुआ, जिसने आने वाले सांस्कृतिक समारोह की झलक प्रस्तुत की।







# ब्लिट्ज़श्लाग 2025:

संस्कृति, रचनात्मकता और समुदाय का उत्सव

## दिवस 1: प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन

ब्लिट्ज़श्लाग 2025 के पहले दिन एमएनआईटी के जीवंत सांस्कृतिक क्लबों द्वारा निर्देशित कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत की गई।

फोटोग्राफी क्लब ने "मोमेंट्स" के माध्यम से फोटोग्राफिक कहानी कहने की एक प्रभावशाली प्रदर्शनी प्रस्तुत की। मैवेरिक्स क्लब ने "स्क्विड गेम" और "एस्केप रूम" जैसे रोमांचक आयोजनों की मेज़बानी की। वहीं, "शराड सिटीज़", "क्ले ऑनमिंटेशन" और "स्टोरीटेलिंग" जैसे रचनात्मक प्रतिस्पर्धाओं में छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।



स्टैंड-अप कॉमेडियन हसीब खान का शानदार प्रदर्शन, भव्य "पैनाश रैम्प वॉक", और ज़िक्र बैंड द्वारा प्रस्तुत ऊर्जावान "बैंड नाइट", शाम का आकर्षण रहा।



संगीत से जुड़े कार्यक्रमों में "गुनगुनाते चलो", "अंताक्षरी", और रोमांचक "बीट बैटल" ने माहौल में संगीतमय जोश भर दिया।

वहीं, विश्लेषणात्मक सोच को चुनौती देने वाले कार्यक्रमों जैसे "यूथ पार्लियामेंट", "कोर्टरूम", और "आईपीएल ऑक्शन" (आंत्रप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेल द्वारा आयोजित) ने छात्रों का ध्यान आकर्षित किया।





# ब्लिट्ज़श्लाग 2025:

संस्कृति, रचनात्मकता और समुदाय का उत्सव

## दिवस 2: प्रदर्शन कला और रोचक अनुभवों का संगम

ब्लिट्ज़श्लाग 2025 के दूसरे दिन की शुरुआत “तमाशा”, यानी नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के साथ हुई, जिसमें सामाजिक सरोकारों पर आधारित जोशीले प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झकझोर कर रख दिया।

रचनात्मक कार्यशालाओं जैसे “बुके मेकिंग” और “फेयरीटेल फेसेस” ने छात्रों की नवाचार क्षमता को निखारने का अवसर दिया।



क्विज़ और इंटरएक्टिव चैलेंज जैसे “रैपिड फायर फिल्म क्विज़”, “सीक द ट्रुथ”, और “जिगसाँ जोलीज़” ने कार्यक्रमों में विविधता जोड़ी। वहीं, अत्यधिक उत्साह और आकर्षण का केंद्र रहा “रांबा सांबा”, जो कि मुख्य नृत्य प्रतियोगिता थी, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने अद्भुत प्रदर्शन से जमकर तालियां बटोरीं।



दिन का समापन डीजे वैभव के संगीतमय बीट्स के साथ हुआ, जिसे एक गर्माहट भरे बॉनफायर और ओपन जैमिंग सेशन ने और भी खास बना दिया – इस सबने मिलकर उत्सव के उमंगपूर्ण वातावरण को पूरी तरह जीवंत कर दिया।







# ब्लिट्ज़श्लाग 2025:

संस्कृति, रचनात्मकता और समुदाय का उत्सव

## दिवस 3: संस्कृति और उत्सव का समापन

ब्लिट्ज़श्लाग 2025 के अंतिम दिन की शुरुआत विविध कार्यक्रमों के साथ हुई, जिनमें “एमएनआईटी फिल्म फेस्टिवल”, “कौन बनेगा क्विज़पति”, “हिंदी कविता पाठ”, और संगीतमय क्विज़ “गाता रहे मेरा दिल” शामिल थे।

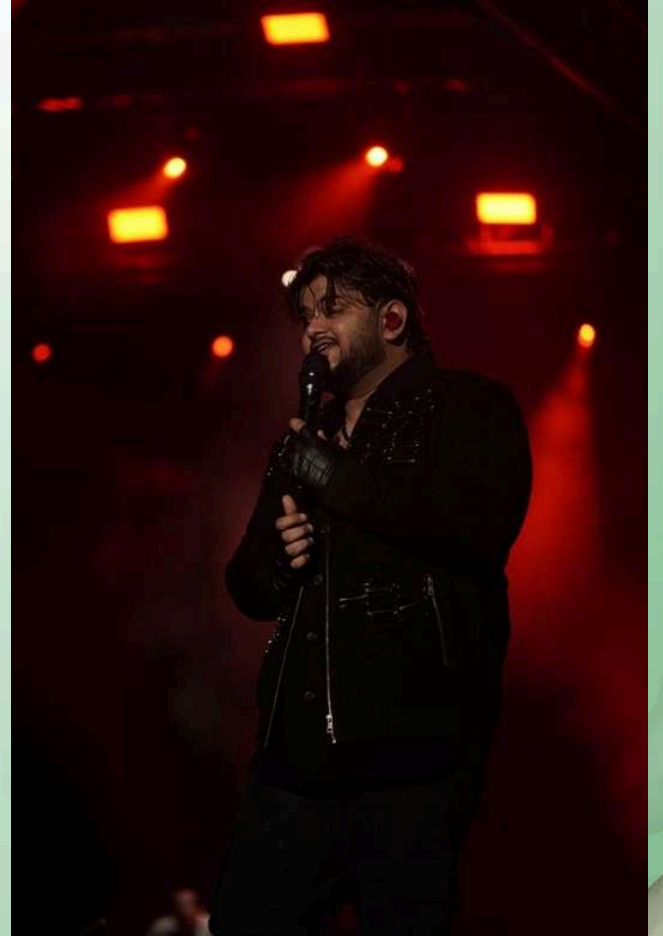
“पिक्सागा” (फोटोग्राफी), “कॉफी विद ईलैक” (वाद-विवाद), और “रंगभूमि” (नाट्य मंचन) जैसे आयोजनों ने छात्रों की बहुआयामी प्रतिभा को मंच प्रदान किया।



क्रिएटिव आर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित “ड्रीम कैचर क्राफ्टिंग” और “फ्लावर वास मेकिंग” जैसी कार्यशालाओं ने रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया, वहीं एनएसएस क्लब की “रीसायकल रेबेल्स” जैसी गतिविधियों ने सतत विकास पर ध्यान केंद्रित किया। “फैशनिस्टा कुत्योर” ने दिन में आकर्षण और ग्लैमर का तड़का लगाया।



भव्य समापन में हुआ शानदार “बैटल ऑफ बैंड्स”, जिसके बाद उत्सव की सबसे प्रतीक्षित प्रोनाइट आयोजित की गई। इसमें परिनय, हास्य कलाकार हर्ष गुर्जराल, और सुप्रसिद्ध गायक विशाल मिश्रा की ऊर्जावान प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को यादगार बना दिया।







# ब्लिट्ज़श्लाग 2025:

संस्कृति, रचनात्मकता और समुदाय का उत्सव



## एक स्थायी छाप

ब्लिट्ज़श्लाग 2025 केवल एक सांस्कृतिक महोत्सव नहीं था—यह जुनून, प्रदर्शन और उद्देश्य का संगम था। इस महोत्सव ने एमएनआईटी जयपुर की रचनात्मक ऊर्जा का उत्सव मनाया और ऐसी यादें छोड़ीं जो अंतिम परदे के बाद भी लंबे समय तक गूंजती रहेंगी।







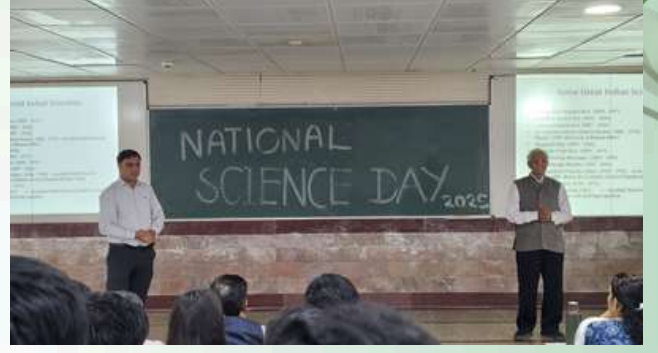
## राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

### एमएनआईटी जयपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का उत्सव

एमएनआईटी जयपुर के भौतिकी विभाग ने साइंस क्लब के सहयोग से 28 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सफल आयोजन किया। यह कार्यक्रम सर सी. वी. रमन द्वारा की गई रमन प्रभाव की खोज की स्मृति में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और उत्साह को प्रोत्साहित करना था। डॉ. कमलेन्द्र अवस्थी, विभागाध्यक्ष (भौतिकी विभाग), ने छात्रों और आमंत्रित अतिथियों का स्वागत करते हुए दिन भर के कार्यक्रमों की शुरुआत की।



समारोह में प्रो. एस. के. शर्मा (सेवानिवृत्त प्रोफेसर, एमएनआईटी जयपुर), प्रो. के. सी. स्वामी (सेवानिवृत्त प्रोफेसर, एमएनआईटी जयपुर), और प्रो. कनुप्रिया सचदेव (डीन, स्टूडेंट वेलफेयर) द्वारा ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में छात्रों के लिए क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।



इसके अतिरिक्त, विभाग के पीएच.डी. छात्रों ने अपनी शोध गतिविधियों को संक्षिप्त और आकर्षक फ्लैश टॉक्स के माध्यम से प्रस्तुत किया, जिससे विभाग की चल रही शोध परियोजनाओं की झलक मिली। पूरे कार्यक्रम का सफल समन्वय डॉ. रजनीश धीमान द्वारा किया गया, जिससे आयोजन सुचारू रूप से संपन्न हुआ।





## शैक्षणिक गतिविधियाँ

### उन्नत भारत अभियान (UBA) के तहत कौशल विकास कार्यक्रम

28 मार्च 2025 को एमएनआईटी जयपुर में उन्नत भारत अभियान (UBA) के अंतर्गत कौशल विकास कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन सत्र प्रभा भवन के कंप्यूटर सेंटर की प्रयोगशाला 1 में आयोजित किया गया, जिसने आगामी दिनों के लिए एक उत्साहपूर्ण स्वर स्थापित किया।

डॉ. नीरजा सरस्वत (कार्यक्रम समन्वयक) ने छात्रों को कार्यक्रम के दौरान होने वाले विभिन्न सत्रों की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. शिव ओम मीणा, डॉ. पूजा, और डॉ. रामदयाल (कार्यक्रम के संकाय समन्वयक) ने भी छात्रों को संबोधित किया। इसके साथ ही, डॉ. प्रियंका हरजुले, डॉ. उत्तम सिंह, डॉ. रामेश्वर, और डॉ. श्रीदेव देवजी जैसे आयोजक सचिवों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और प्रभावशाली बनाया।

यह परिवर्तनकारी कार्यक्रम एमएनआईटी द्वारा गोद लिए गए विभिन्न गांवों के 9वीं और 11वीं कक्षा के छात्रों के लिए आयोजित किया गया था।



चार दिवसीय इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने डिजिटल साक्षरता, संचार कौशल, उत्पादकता और नवाचार, तथा वित्तीय और नागरिक जागरूकता जैसे विषयों पर आयोजित विविध सत्रों में सक्रिय भागीदारी की।



### एमएनआईटी जयपुर में एएनआरएफ कार्यशाला

"ऊर्जा संचयन के लिए लचीले सेंसर में उन्नत प्रवृत्तियाँ" विषय पर एएनआरएफ-प्रायोजित एक सप्ताह की उच्च स्तरीय कार्यशाला (कार्यशाला) का आयोजन 5 से 9 मार्च 2025 तक एमएनआईटी जयपुर के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियंत्रण विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ऋतु शर्मा द्वारा किया गया।

इस कार्यशाला में एएनआरएफ-प्रायोजित अनुसंधान परियोजना "लचीले पाईज़ोइलेक्ट्रिक बायोमैकेनिकल ऊर्जा हार्वेस्टर की डिज़ाइन, निर्माण और प्रदर्शन मूल्यांकन" से संबंधित ज्ञान और महत्वपूर्ण निष्कर्षों को स्नातक, परास्नातक एवं पीएच.डी. छात्रों के बीच साझा किया गया।





## शैक्षणिक गतिविधियाँ

इस कार्यशाला में ऊर्जा संचयन की विभिन्न तकनीकों का अवलोकन कराया गया और साथ ही नए सामग्री (जैसे पॉलिमर, मिश्रित पदार्थ, नैनोमटेरियल्स आदि) की खोज की गई, जिनमें पाईज़ोइलेक्ट्रिक, ट्राइबोइलेक्ट्रिक, पायरोइलेक्ट्रिक तथा अन्य ऊर्जा संचयन गुण बेहतर होते हैं और जो लचीले सेंसर अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त हैं।

साथ ही, इस कार्यशाला में COMSOL मल्टीफिजिक्स सॉफ्टवेयर का उपयोग कर सेंसर डिज़ाइनिंग सिखाई गई और इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों में प्रयुक्त लचीले सेंसरों के विभिन्न निर्माण तकनीकों का विस्तृत ज्ञान प्रदान किया गया।



### एमएनआईटी जयपुर में डीएसआईआर प्रायोजित कार्यशाला

डीएसआईआर द्वारा प्रायोजित “ऑप्टिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर और आईसीटी उपकरणों की भूमिका” पर एकदिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन 21 फरवरी 2025 को एमएनआईटी जयपुर में हुआ। इस कार्यशाला में शिक्षकों, शोधकर्ताओं, एनजीओ प्रतिनिधियों, स्पीच थैरेपिस्ट्स, मनोरोग विशेषज्ञों और देश भर से आए अभिभावकों ने भाग लिया और ऑप्टिज़्म जागरूकता, सहायक प्रौद्योगिकियों और आईसीटी उपकरणों की भूमिका पर अपने अनुभव साझा किए।



डॉ. मीनाक्षी त्रिपाठी और प्रो. लावा भार्गव ने अनुसंधान परियोजना की जानकारी दी, जबकि डीएसआईआर से डॉ. वंदना कालिया और डॉ. शशि कुमार ने “A2K+ योजना” पर प्रकाश डाला।

प्रमुख तकनीकी सत्रों में डॉ. गार्गी पी. सिन्हा (ड्यानवर्धिनी दिव्य ट्रेनिंग कॉलेज, गोवा), प्रो. इंदु कुमार (एनसीईआरटी, दिल्ली), प्रो. जे. सी. अब्राहम (जामिया मिल्लिया इस्लामिया), डॉ. सिम्मी कुरियन (जैन यूनिवर्सिटी, कोच्चि), श्री अभिषेक मिश्रा (पिसर्व टेक, इंदौर) सहित अन्य विशेषज्ञों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के सभी सत्रों में आईसीटी का समावेशी शिक्षा में योगदान विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। सत्रों का संचालन डॉ. प्रीति भट्ट द्वारा किया गया और कार्यक्रम का समापन डॉ. सुशांत उपाध्याय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

### जैव-चिकित्सकीय अनुप्रयोगों हेतु सामग्री का संश्लेषण एवं विशेषता निर्धारण

एमएनआईटी जयपुर में “जैव-चिकित्सकीय अनुप्रयोगों हेतु सामग्री के संश्लेषण और विशेषता निर्धारण” पर एक लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया और दवा वितरण हेतु नैनोमैटेरियल्स से लेकर उन्नत कैरेक्टराइजेशन तकनीकों पर चर्चा की।

उद्घाटन सत्र में प्रो. लावा भार्गव (डीन, आरएंडसी), प्रो. अशोक रायचूर (आईआईएससी बेंगलोर) — जो नैनोस्केल डिलीवरी सिस्टम्स और जैव-प्रेरित सामग्री के विशेषज्ञ हैं — और डॉ. निशा वर्मा (एचओडी, एमआरसी) ने अपने अनुभव साझा किए।





## शैक्षणिक गतिविधियाँ

इन सभी की सूझबूझ से कार्यक्रम को शोध और ज्ञानवर्धन के लिए प्रभावी दिशा मिली।



### एमएनआईटी जयपुर में GIAN कोर्स — उत्तर-औपनिवेशिक पारिस्थितिकी-आलोचना

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, एमएनआईटी जयपुर द्वारा 3 से 8 मार्च 2025 के बीच “पोस्टकोलोनियल ईकोक्रिटिसिज़्म: वैश्विक लेखन और आलोचनात्मक नैसर्गिकताएँ” विषय पर GIAN कोर्स का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रो. एन. पी. पाढ़ी (निदेशक, एमएनआईटी) द्वारा किया गया।

अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ प्रो. एलन जी. जॉनसन (इडाहो स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए) थे। कोर्स का संयोजन डॉ. प्रीति भट्ट (विभागाध्यक्ष) और डॉ. निधि बंसल ने किया।

आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी कानपुर, आईआईटी जोधपुर, बीआईटीएस पिलानी, मणिपाल यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से प्रतिभागियों ने इस कोर्स में उत्साहपूर्वक भाग लिया। छह दिवसीय कार्यक्रम में 18 शैक्षणिक सत्र आयोजित हुए, जिनमें साहित्य और प्रकृति के परस्पर संबंधों को समझाया गया।







## विभागीय झलक

### रासायनिक अभियंत्रण विभाग

एमएनआईटी जयपुर के रासायनिक अभियंत्रण विभाग द्वारा 13 फरवरी 2025 को "एलपीजी की विशेषताएं और उससे संबंधित जोखिम; एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र संचालन की मानक संचालन प्रक्रियाएं" विषय पर एक औद्योगिक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह सत्र "पेट्रोकेमिकल्स परिष्करण एवं पेट्रोकेमिकल्स" (22CHT-351) पाठ्यक्रम का हिस्सा था, जिसका समन्वय डॉ. शिव ओम मीणा, सहायक प्रोफेसर ने किया।

सत्र का संचालन श्री रविंदर कुमार शर्मा, सेवानिवृत्त मुख्य संयंत्र प्रबंधक, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL), जयपुर द्वारा किया गया। यह आयोजन डॉ. सुशांत उपाध्याय (विभागाध्यक्ष) के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें डॉ. विकास सांगल और डॉ. रोहिदास भोई सहित अन्य सम्माननीय संकाय सदस्य उपस्थित रहे। इस व्याख्यान ने छात्रों को उद्योग से जुड़ी व्यवहारिक जानकारी प्रदान की, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप शैक्षणिक पाठ्यक्रम में व्यावसायिक ज्ञान को एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रही। विभाग ने श्री शर्मा और सभी संकाय सदस्यों को इस ज्ञानवर्धक अवसर के लिए धन्यवाद दिया।

### पाठ्यक्रम विकास कार्यशाला (CDW)

18 फरवरी 2025 को विभाग ने दो प्रस्तावित एमटेक कार्यक्रमों — "केमिकल इंजीनियरिंग एंड सस्टेनेबिलिटी" एवं "पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड पॉलिमर टेक्नोलॉजी" के लिए एक एक-दिवसीय पाठ्यक्रम विकास कार्यशाला का आयोजन किया। प्रमुख अकादमिक विशेषज्ञों में शामिल थे: प्रो. राजेश खन्ना (आईआईटी दिल्ली), प्रो. श्री शिवकुमार (आईआईटी कानपुर), प्रो. अजय दलाल (सस्केचवेन विश्वविद्यालय, कनाडा) औद्योगिक विशेषज्ञों में शामिल थे: श्री सौरभ गुप्ता, मैनेजर, UOP इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सुश्री पूजा ढाकर, प्रोसेस मैनेजर, IOCL मथुरा। विभाग के फैकल्टी सदस्यों ने भी सक्रिय रूप से कार्यशाला में भाग लिया।

इस कार्यशाला के दौरान, प्रस्तावित पाठ्यक्रम योजनाओं की गहराई से समीक्षा की गई और नवीनतम औद्योगिक रुझानों को ध्यान में रखते हुए मूल्यवान सुझाव प्रदान किए गए, जो सतत औद्योगिक प्रथाओं की ओर मार्गदर्शन करते हैं।

डॉ. सुशांत उपाध्याय (विभागाध्यक्ष) द्वारा इसकी अध्यक्षता की गई तथा डॉ. राजीव दोहरे द्वारा संयोजन किया गया। प्रो. कैलाश सिंह, प्रो. मधु अग्रवाल, और प्रो. मनीष वशिष्ठ ने भी महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

पाँच दिवसीय कार्यशाला: ऊर्जा और पर्यावरण अनुप्रयोगों हेतु उपकरण

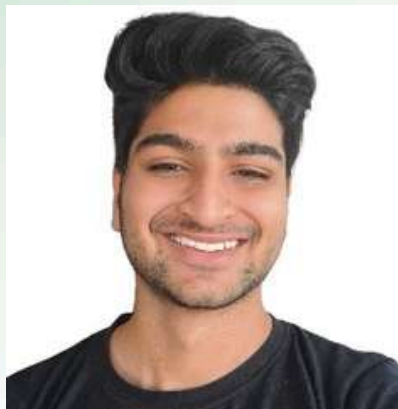
14 से 18 अप्रैल 2025 के बीच, रासायनिक अभियंत्रण विभाग ने "हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस ऑन एडवांस्ड एनालिटिकल इंस्ट्रूमेंट्स फ़ोर एनर्जी एंड एनवायरनमेंट एप्लिकेशंस" शीर्षक से एक पाँच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला का आयोजन निम्नलिखित संस्थानों के सहयोग से किया गया: AMRUT फंडेड सेंटर ऑफ अर्बन प्लानिंग, IChE जयपुर चैप्टर, IEI राजस्थान स्टेट सेंटर। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को ऊर्जा और पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु उन्नत विश्लेषणात्मक उपकरणों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था।







## विभागीय झलक



मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर के रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग ने GATE 2025 परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, जिससे विभाग की उत्कृष्ट शैक्षणिक क्षमता और प्रदर्शन का परिचय मिला है। विभाग को निम्नलिखित उपलब्धियों की घोषणा करते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है:

मनवेंद्र सिंह ने अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) 2 प्राप्त कर एक अद्वितीय उपलब्धि हासिल की है, जिससे वह देशभर के सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थियों में शामिल हो गए हैं।

अमितोज सिंह छाबड़ा ने सराहनीय प्रदर्शन करते हुए अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) 21 प्राप्त की, जो छात्रों द्वारा दिखाई गई उत्कृष्ट तैयारी और समर्पण के उच्च मानकों को और अधिक उजागर करता है।



विभाग के 14 से अधिक छात्रों ने GATE 2025 परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है, और उन्होंने अत्यंत उत्कृष्ट GATE स्कोर प्राप्त किए हैं। यह विभाग की तकनीकी ज्ञान और विश्लेषणात्मक क्षमता को बढ़ावा देने की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

Sl. No.	Name	Student ID	Year	GATE All India Rank
1	Manvendra Singh	2021UCH1649	4	2
2	Amitoj Singh Chhabra	2021UCH1685	4	21
3	Sujal Prakash Rathore	2022UCH1911	3rd	102
4	Somil Vijay	2022uch1854	3	135
5	Aman Sharma	2021uch1790	4th year	314
6	Mayank Mishra	2021UCH1024	4th	377
7	Nikhil	2021UCH1025	4th	666
8	Aniket Raj	2022uch1908	3rd yr	1091
9	Samarpit Mishra	2022UCH1006	3rd year	1091
10	MINTU KUMAR	2021uch1735	4	1446
11	Sumit singh	2022uch1285	3rd	1563
12	Sumit Saini	2022Uch1393	3	2062
13	Ali Hussain Ansari	2022UCH1307	3	2193



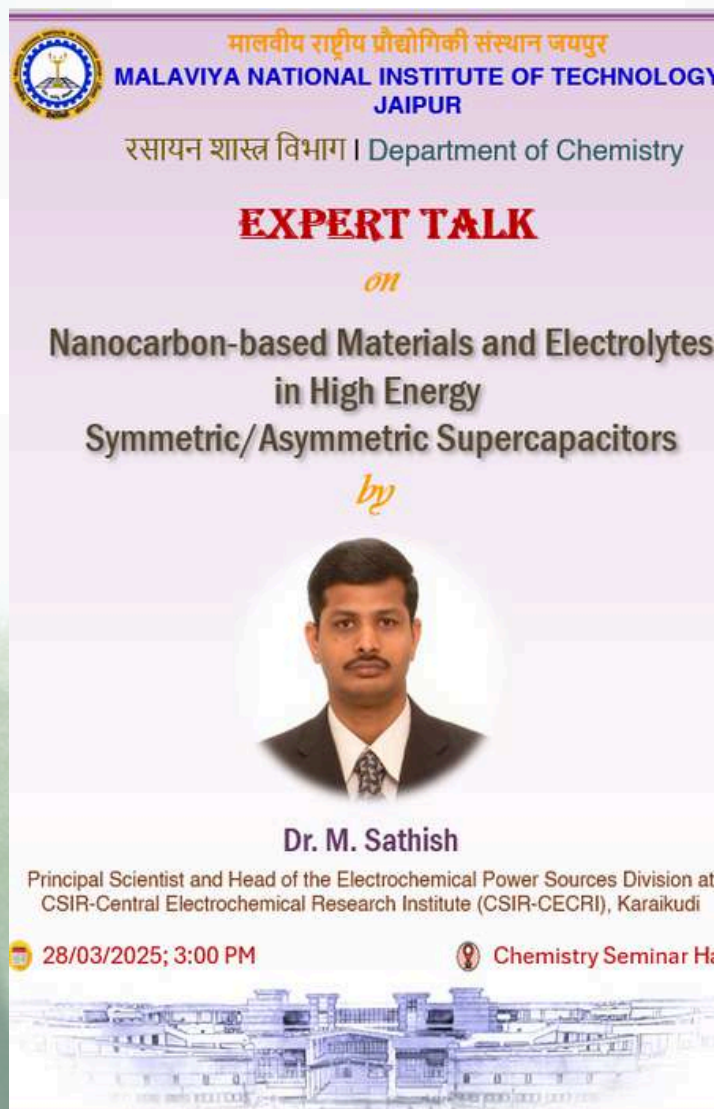


## विभागीय झलक

### रसायन विभाग

विशेष व्याख्यान: "नैनोकार्बन-आधारित सामग्री और उच्च ऊर्जा सममित/असममित सुपरकैपेसिटर में इलेक्ट्रोलाइट्स" डॉ. एम. सतीश, प्रिंसिपल वैज्ञानिक और प्रमुख, इलेक्ट्रोकेमिकल पावर सोर्सेज़ डिवीजन, CSIR-CECRI, करैकुड़ी, द्वारा 28 मार्च 2025 को "नैनोकार्बन-आधारित सामग्री और उच्च ऊर्जा सममित/असममित सुपरकैपेसिटर में इलेक्ट्रोलाइट्स" विषय पर व्याख्यान दिया गया।

यह सत्र डॉ. सुमंता कुमार मेहर द्वारा आयोजित किया गया था और इसमें उच्च-ऊर्जा सुपरकैपेसिटर के लिए नैनोकार्बन सामग्री और इलेक्ट्रोलाइट्स में हाल के नवाचारों को कवर किया गया, जिसे उपस्थित लोगों द्वारा बहुत सराहा गया।



मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर  
MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY  
JAIPUR


रसायन शास्त्र विभाग | Department of Chemistry

**EXPERT TALK**

on

**Nanocarbon-based Materials and Electrolytes  
in High Energy  
Symmetric/Asymmetric Supercapacitors**

by



**Dr. M. Sathish**

Principal Scientist and Head of the Electrochemical Power Sources Division at  
CSIR-Central Electrochemical Research Institute (CSIR-CECRI), Karaikudi

28/03/2025; 3:00 PM Chemistry Seminar Hall



मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर  
MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY  
JAIPUR


रसायन शास्त्र विभाग | Department of Chemistry

**EXPERT TALK**

on

**Molecular Engineering of Discotic Mesophases  
for  
Organic Electronics**

by



**Prof. Santanu Kumar Pal**

Indian Institute of Science Education and Research (IISER) Mohali

28/03/2025; 11:00 AM Chemistry Seminar Hall

विशेष व्याख्यान: "ऑर्गेनिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए डिस्कोटिक मेसोफेज़ का आणविक अभियांत्रण" आईआईएसईआर मोहाली के प्रो. संतानु के. पाल द्वारा 28 मार्च 2025 को "ऑर्गेनिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए डिस्कोटिक मेसोफेज़ का आणविक अभियांत्रण" विषय पर व्याख्यान दिया गया, जिसका आयोजन डॉ. बिमान बंधोपाढीय ने किया था।

इस सत्र में ऑर्गेनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को आगे बढ़ाने के लिए आणविक डिजाइन और मेसोफेज़ अभियांत्रण में नवोन्मेषी दृष्टिकोणों को उजागर किया गया।





## विभागीय झलक

### रसायन विभाग

**"ठंडी कठोर मैट्रिक्स में सल्फर-केंद्रित हाइड्रोजन-बॉन्डेड प्रणालियों की जटिल पोर्टेंशियल एनर्जी सरफेस (PES) का अन्वेषण" पर व्याख्यान**

डॉ. बिमान बंधोपाढीय ने 20 से 23 फरवरी 2025 को मसूरी, उत्तराखंड में आयोजित 20वें स्पेक्ट्रोस्कोपी और डायनामिक्स ऑफ मॉलिक्यूल्स एंड क्लस्टर्स (SDMC 2025) सम्मेलन में "एक्सप्लोरिंग कॉम्प्लेक्स पीईएस ऑफ सल्फर-सेंटेर्ड एच-बॉन्डेड सिस्टम्स इन कोल्ड रिगिड मैट्रिक्स" विषय पर व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान में संभावित ऊर्जा सतहों (PESs) पर उन्नत अनुसंधान और ठंडी परिस्थितियों में आणविक प्रणालियों के लिए इसके प्रभावों को विस्तार से समझाया गया।

**"उपभोक्ता-आधारित उत्पादों से प्लास्टिक एडिटिक्स का उत्सर्जन एवं नैनोमैटिरियल्स द्वारा उनका अपघटन" पर व्याख्यान**

डॉ. मनविरी रानी ने 21 से 22 फरवरी 2025 को चंडीगढ़ के पंजाबी विश्वविद्यालय में आयोजित प्रो. राम चंद पॉल नेशनल सिम्पोजियम ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट इन केमिकल साइंसेज: इनोवेशन एंड स्टार्ट-अप्स में "रिलीज़िंग ऑफ प्लास्टिक एडिटिक्स फ्रॉम कंज्यूमर-बेस्ड प्रोडक्ट्स एंड देयर डिग्रेडेशन बाई नैनोमैटिरियल्स" विषय पर व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान में प्लास्टिक एडिटिक्स के पर्यावरणीय प्रभावों और उनके नैनोमैटिरियल्स द्वारा अपघटन की क्षमता पर चर्चा की गई, जो स्थिरता की महत्वपूर्ण चुनौतियों को संबोधित करता है।

**इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग  
कार्यशालाएँ आयोजित**

सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन और पैकेजिंग तकनीक  
यह कार्यशाला 20 से 31 जनवरी 2025 तक आयोजित की गई। डॉ. दीपक भारती के समन्वय में, सत्र प्रतिदिन शाम 4 बजे से 8 बजे तक आयोजित किए गए, जिनमें उन्नत फैब्रिकेशन और पैकेजिंग विधियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

**संस्थान के लिए तकनीक आधारित शिक्षण, अधिगम और प्रक्रिया**

यह कार्यक्रम 3 से 14 फरवरी 2025 तक प्रो. विनीत साहुला के समन्वय में आयोजित किया गया। इसमें प्रतिदिन दो सत्र शामिल थे, सुबह 8 बजे से 10 बजे और शाम 6 बजे से 8 बजे तक, जिसका उद्देश्य तकनीक आधारित शिक्षण विधियों में सुधार करना था।

**ओपन सोर्स टूल्स का उपयोग कर VLSI डिज़ाइन**

यह कार्यशाला 10 से 21 फरवरी 2025 तक प्रो. लावा भार्गव के निर्देशन में आयोजित हुई। इसमें VLSI डिज़ाइन के लिए ओपन सोर्स प्लेटफॉर्म पर व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया।

**MATLAB का उपयोग कर उन्नत ऑप्टिमाइजेशन तकनीक**

यह कार्यशाला 17 से 28 फरवरी 2025 तक डॉ. एस. जे. नन्दा के समन्वय में आयोजित की गई। सत्र प्रतिदिन शाम 4 बजे से 8 बजे तक आयोजित किए गए, जिनमें MATLAB के जरिए व्यावहारिक ऑप्टिमाइजेशन विधियों को कवर किया गया।

**एनालॉग और मिक्स्ड सिग्नल डिज़ाइन की जटिलताएँ**

यह कार्यक्रम 17 से 28 फरवरी 2025 तक डॉ. मेनका यादव द्वारा आयोजित किया गया। सत्र प्रतिदिन शाम 4 बजे से 8 बजे तक आयोजित हुए, जिनमें एनालॉग और मिक्स्ड-सिग्नल सर्किट डिज़ाइन की चुनौतियों पर चर्चा की गई।





## विभागीय झलक

### सेंसर, एम्बेडेड सिस्टम और डेटा एनालिटिक्स के साथ IoT अनुप्रयोग

यह कार्यशाला 17 से 28 फरवरी 2025 तक डॉ. अमित एम. जोशी द्वारा संचालित हुई। सत्र प्रतिदिन शाम 4 बजे से 8 बजे तक आयोजित किए गए, जिनमें सेंसर नेटवर्क और डेटा विश्लेषण के साथ IoT के एकीकरण पर ध्यान दिया गया।

### सेमीकंडक्टर डिवाइसेज, सर्किट्स और सेंसर: अनुप्रयोग और अनुसंधान परिप्रेक्ष्य

यह ऑनलाइन कार्यक्रम 2 से 10 मई 2025 तक डॉ. मेनका यादव के समन्वय में आयोजित किया गया। सत्र प्रतिदिन 4 घंटे और सप्ताहांत पर 6 घंटे के लिए आयोजित किए गए, जिनमें सेमीकंडक्टर अनुसंधान और अनुप्रयोगों की गहन जानकारी प्रदान की गई।

### मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 10 मार्च 2025 को HUMPALS का 24वां सत्र सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। लाभिषा ने इस सत्र का उद्घाटन करते हुए IIM जम्मू और एमएनआईटी जयपुर में सहायक प्रोफेसर प्रो. सुधीर के जैन का परिचय दिया। प्रो. जैन ने "थीसिस लेखन और शोध यात्रा: कुछ सुझाव" विषय पर एक विशेषज्ञ सत्र प्रस्तुत किया। इसके बाद, प्रो. मंजू सिंह ने इस पहल की नींव माने जाने वाले HUMPALS के स्व-शिक्षण, पुनः-शिक्षण और सह-शिक्षण के दर्शन पर जोर दिया।

प्रो. जैन ने थीसिस की संरचना, अध्यायों का क्रम, सामान्य गलतियों, प्रभावी लेखन, समय प्रबंधन और उचित उद्धरण प्रथाओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया।



उन्होंने शोध की गुणवत्ता, शैक्षणिक ईमानदारी और मौलिकता पर भी बल दिया। इस सत्र में डॉ. प्रीति भट्ट, प्रो. मंजू सिंह, प्रो. विभूति शेखावत, डॉ. दीप्ति शर्मा और डॉ. निधि बंसल जैसे प्रतिष्ठित शिक्षकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन एक सजीव चर्चा के साथ हुआ।



### गणित विभाग

नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा जवाहर कला केंद्र में शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 17 मार्च 2025 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका पर एक सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. अशुतोष शर्मा, INSA के अध्यक्ष और भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व सचिव थे। डॉ. रितु अग्रवाल, डॉ. हेमलता शर्मा, डॉ. पूजा निगम, डॉ. नताशा शर्मा, डॉ. गीतांजलि चट्टोपाध्याय, और डॉ. अंजलि गुलरिया पैनलिस्ट के रूप में उपस्थित थे।



## विभागीय झलक



डॉ. प्रियंका हरजुले ने 26 मार्च 2025 को आयोजित प्रतिष्ठित यूजर इंटरैक्शन मीट-2025 में “सैटेलाइट इमेजरी में शहरी बस्तियों के लिए बिल्डिंग सेगमेंटेशन: डीप लर्निंग मॉडलों का तुलनात्मक अध्ययन” विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। यह राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम इसरो द्वारा नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (NRSC), हैदराबाद में आयोजित किया गया था। उनके कार्य ने शहरी रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोगों को उन्नत करने में डीप लर्निंग की संभावनाओं पर जोर दिया।



अपने प्रस्तुतीकरण में उन्होंने अपने शोध परियोजना “ICESat-2 आधारित शहरी क्षेत्रों में ग्राउंड फोटॉनों की पुनर्प्राप्ति हेतु डीप लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग” के प्रमुख निष्कर्ष प्रस्तुत किए, जिसे इसरो के क्षेत्रीय शैक्षणिक केंद्र द्वारा समर्थन प्राप्त था।

उनके कार्य ने शहरी रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोगों को आगे बढ़ाने में डीप लर्निंग तकनीकों की संभावनाओं को प्रमुख रूप से उजागर किया।

## धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग

धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग ने आईआईएम जयपुर अध्याय के सहयोग से दिनांक 17 मार्च 2025 को डॉ. चेन्ना कृष्ण एस, वैज्ञानिक/अभियंता एसएफ, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, त्रिवेन्द्रम द्वारा एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। इस व्याख्यान का विषय था –

"इन्कोनेल मिश्रधातु के गोलाार्द्धीय फोर्जिंग्स के विकास हेतु सिमुलेशन और प्रयोगों का एकीकृत दृष्टिकोण"।

इसके अतिरिक्त, विभाग ने श्री के. नवीन सिंह, महाप्रबंधक, जेएसडब्ल्यू बेल्लारी द्वारा एक विशेषज्ञ परिचर्चा का भी आयोजन किया। इस चर्चा का विषय था –

"इस्पात निर्माण तकनीक में नवीनतम प्रगति एवं हरित इस्पात की ओर यात्रा: भारतीय परिदृश्य 2030"।

इन दोनों कार्यक्रमों ने छात्रों और शोधकर्ताओं को औद्योगिक तथा अनुसंधान जगत के नवीनतम रुझानों से अवगत होने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया।



## पाठ्येतर गतिविधियाँ

धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग द्वारा बड़ी संख्या में पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद प्रतियोगिताएं, तथा छात्र क्लबों की विविध गतिविधियां सम्मिलित थीं।

इनमें खेल कार्यशालाएं, सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं, तथा विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं नेतृत्व क्षमता को निखारने वाली रचनात्मक गतिविधियाँ प्रमुख रहीं। इन आयोजनों ने छात्रों को अकादमिक जीवन से इतर क्षेत्रों में भी अपनी रुचियों को विकसित करने एवं सहभागिता का अवसर प्रदान किया।



## विभागीय झलक

### धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग

धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 28 एवं 29 मार्च, 2025 को “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांस्ड मैटेरियल्स फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (ICAMSD 2025)” का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि, न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी डॉ. कोमल कपूर, विशिष्ट अतिथि, भारतीय धातु संस्थान (आईआईएम) के महासचिव ब्रिगेडियर अरुण गांगुली और एमएनआईटी जयपुर के अध्यक्ष (प्रभारी) और निदेशक प्रो. एन. पी. पाढ़ी की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर एशियन पॉलीमर एसोसिएशन (एपीए) के अध्यक्ष प्रो. भुवनेश गुप्ता भी उपस्थित थे।

आयोजन सचिव डॉ. स्वाति शर्मा ने सम्मेलन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित लोगों का स्वागत किया। सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. आर. के. गोयल ने कार्यक्रम के विषय और उद्देश्यों पर विस्तार से चर्चा की। 9 पूर्ण सत्र, 31 आमंत्रित और 170 मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ दी गईं। प्रतिष्ठित वक्ता डीआरडीओ, इसरो, आईआईटी, एनआईटी, आईआईएससी, सीएसआईआर-एनसीएल, सीएसआईआर-एनएमएल, सी-मेट लैब, डीआईएटी पुणे और विभिन्न उद्योगों जैसे प्रतिष्ठित संगठनों और संस्थानों से थे।

श्री रत्नप्रसाद अटलूरी (सीओओ, इवोनिथ स्टील्स, वर्धा) ने फ्लैट स्टील उत्पादों में विशेष इस्पात निर्माण की चुनौतियों पर चर्चा की, जबकि श्री प्रकाश एस. बग्गा (निदेशक, एसएमएस मेटल्स, देवास) ने इंडक्शन मेल्टेड स्टील के शोधन पर प्रकाश डाला, जिसके परिणामस्वरूप गुणवत्ता और दक्षता में वृद्धि हुई।



19 तकनीकी सत्रों और एक पोस्टर प्रस्तुति में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को शोध के लिए प्रेरित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति, पोस्टर प्रस्तुति और मेटलोग्राफी प्रतियोगिता पुरस्कार भी दिए गए। विशेषज्ञों ने शोध, शिक्षा और समस्या-समाधान में अंतरविषयक नजरिया को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने सतत विकास के लिए उन्नत सामग्रियों की क्षमता पर प्रकाश डाला। सम्मेलन कार्यक्रम का समापन प्रायोजकों सहित सभी हितधारकों के योगदान और समर्थन को मान्यता देते हुए उनके प्रति औपचारिक आभार और आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।





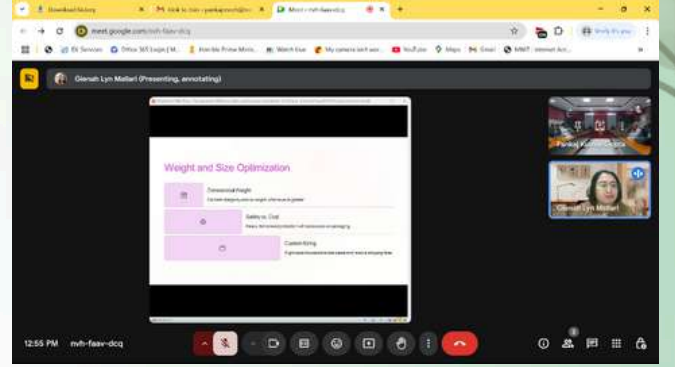
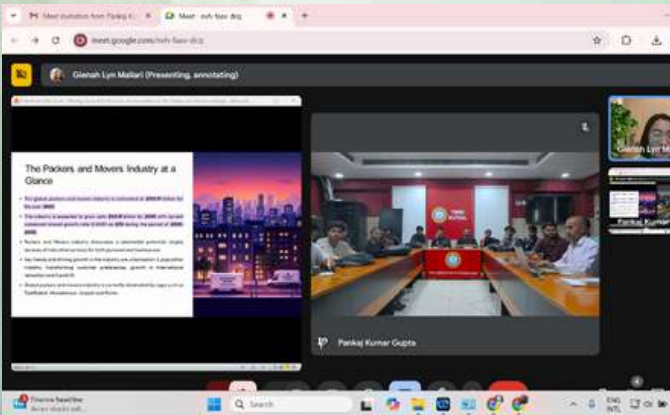
## विभागीय झलक

### यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

श्री एच. एस. जताना (साइं/इंजीनियर 'एसजी' ग्रुप प्रमुख – डिज़ाइन एवं प्रक्रिया समूह, SCL / अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार) ने “चिप निर्माण उद्योग में उन्नत सबट्रेक्टिव और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग की भूमिका” विषय पर “एडवांस्ड मशीनिंग और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग 22MET351” पाठ्यक्रम (पाठ्यक्रम समन्वयक – प्रो. हारलाल सिंह माली) के लिए व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान 9 अप्रैल 2025 को उद्योग-संस्थान इंटरैक्शन के अंतर्गत आयोजित किया गया।



15 अप्रैल 2025 को प्रातः 10:00 बजे से 11:00 बजे तक NKN-I स्थल पर "स्मार्ट मूविंग: पैकर्स और मूवर्स उद्योग में श्रेष्ठ प्रथाएं और नवाचार" विषय पर एक ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस सत्र में रिलोकेशन सेवाओं में दक्षता, तकनीक और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर दिया गया। इस कार्यक्रम के अतिथि वक्ता डॉ. गिनाहलिन मोसुएला मल्लारी थे, जो फिलीपींस के डॉन होनोरियो वेंदुरा स्टेट यूनिवर्सिटी (DHVSU), कैंडाबा कैंपस से थे।



16 अप्रैल 2025 को दोपहर 12:00 बजे से 1:00 बजे तक NKN-I स्थल पर "सीमलेस रिलोकेशन: दक्षता, सुरक्षा और ग्राहक संतुष्टि के लिए रणनीतियाँ" विषय पर एक ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान में लॉजिस्टिक्स ऑप्टिमाइजेशन, पैकिंग तकनीकें और ग्राहक समस्याओं के प्रभावी समाधान जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को कवर किया गया। यह सत्र भी डॉ. गिनाहलिन मोसुएला मल्लारी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम (एसटीसी) “रक्षा अनुप्रयोग के लिए एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग” विषय पर 3 से 7 मार्च 2025 तक एमएनआईटी जयपुर में DRDO नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया। इस एसटीसी के संयोजक डॉ. जिनेश कुमार जैन और डॉ. यशवंत कोली थे। डॉ. तापस बाजपेई और डॉ. अनुप मलिक इस एसटीसी के समन्वयक थे।



**"रक्षा अनुप्रयोगों हेतु एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग" पर लघु अवधि पाठ्यक्रम (STC)**

"रक्षा अनुप्रयोगों हेतु एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग" पर एक लघु अवधि पाठ्यक्रम (STC) डीआरडीओ, नई दिल्ली के सहयोग से 3 से 7 मार्च 2025 तक एमएनआईटी जयपुर में आयोजित किया गया। इस STC के संयोजक डॉ. जिनेश कुमार जैन और डॉ. यशवंत कोली थे। डॉ. तापस बाजपेयी और डॉ. अनुप मलिक ने समन्वयक के रूप में कार्य किया।





## विभागीय झलक

### धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग

एमएनआईटी जयपुर के धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग द्वारा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस आयोजन का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. कोमल कपूर, चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स, तथा गणमान्य अतिथि ब्रिगेडियर अनुप गांगुली, सचिव जनरल, IIM की उपस्थिति में हुआ। प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी अध्यक्ष (अंतरिम) एवं निदेशक, एमएनआईटी जयपुर और प्रो. भावनोश गुप्ता, अध्यक्ष APA भी समारोह में उपस्थित थे। आयोजन सचिव डॉ. स्वाति शर्मा ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और सम्मेलन के महत्व को रेखांकित किया। सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. राजेंद्र कुमार गोयल ने कार्यक्रम के विषय और उद्देश्यों पर विस्तृत प्रकाश डाला। सम्मेलन के दौरान मुख्य अतिथि ने विशेष रूप से अंतरिक्ष अनुसंधान और परमाणु ईंधन अनुप्रयोगों के लिए सतत सामग्री के विकास के महत्व पर बल दिया।

इस अवसर की एक प्रमुख उपलब्धि एमएनआईटी जयपुर और न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत (NFC) के बीच समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर करना था।



### यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग



प्रो. माइकल ब्रैडली, प्रो. अजय के. दलई और प्रो. मेदम वेंकटेश, यूनिवर्सिटी ऑफ़ सस्काचेवन, कनाडा, ने 19 मार्च 2025 को धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग का दौरा किया और विभाग के संकाय सदस्यों के साथ संयुक्त शोध और संकाय विनिमय कार्यक्रम सहित विस्तृत चर्चा करना था।





## विभागीय झलक



### भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग ने 11 फरवरी 2025 को प्रो. ताकायुकी इचिकावा, निदेशक, A-ESG विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र, हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान द्वारा “हाइड्रोजन स्टोरेज सामग्री और हाइड्रोजन उत्पादन प्रणालियों में नवीनतम प्रगति” विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया। यह व्याख्यान एमएनआईटी जयपुर और हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान के बीच 2018 से चल रहे शोध सहयोग और छात्र/संकाय सदस्य विनिमय के तहत मौजूदा समझौता ज्ञापन (MoU) की गतिविधियों का हिस्सा था।

### ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र

राजस्थान में एकीकृत संसाधन योजना (IRP) के लिए क्षमता निर्माण पर किक-ऑफ कार्यशाला में भागीदारी एमएनआईटी जयपुर के ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र (सीईई) के संकाय सदस्य और शोध छात्र, जो पावर ग्रिड डिकार्बोनाइजेशन पर कार्यरत हैं, ने 8 अप्रैल 2025 को समित 1





## विभागीय झलक

हॉल, रैडिसन ब्लू होटल, जयपुर में राजस्थान में एकीकृत संसाधन योजना (IRP) के लिए क्षमता निर्माण पर किक-ऑफ कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला का आयोजन WRI इंडिया ने भारत की प्रयास (एनर्जी ग्रुप) और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा के एमलैब के सहयोग से किया। इस कार्यशाला में सरकार, उपयोगिताओं, शैक्षणिक और नागरिक समाज के हितधारकों को एक साथ लाकर राजस्थान में स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को सक्षम बनाने के लिए आवश्यक पावर सिस्टम योजना की बदलती आवश्यकताओं और उपकरणों पर चर्चा की गई। इस पहल में एक अवसंरचना और शैक्षणिक साझेदार के रूप में, सीईई ने तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने का लक्ष्य रखा और भविष्य के क्षमता निर्माण प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल रहने की योजना बनाई।



### एमआईआईसी

#### ब्लिट्ज़श्लैग '25 में आईपीएल नीलामी

उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (ईडी सेल) के सहयोग से, 7 फरवरी 2025 को एमएनआईटी जयपुर के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव ब्लिट्ज़श्लैग '25 के दौरान एक नकली आईपीएल नीलामी आयोजित की गई। इस कार्यक्रम ने परिसर में उच्च ऊर्जा और रणनीतिक रोमांच लाया।

6,000 रुपये की पुरस्कार राशि के साथ, भाग लेने वाली टीमों ने शीर्ष खिलाड़ियों को खरीदने के लिए उत्साहपूर्वक अपने बजट का प्रबंधन किया, जो वास्तविक दुनिया की आईपीएल नीलामी की गतिशीलता को बारीकी से दर्शाता है। आकर्षक प्रारूप और प्रतिस्पर्धी भावना ने इस आयोजन को सफल बना दिया, जिसका समापन अंतिम टीमों और प्रतिभागियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ हुआ।



ब्लिट्ज़श्लैग '25 में "गेम ऑफ लाइफ" ने बटोरी सुर्खियाँ उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (ईडी सेल) के सहयोग से, गेम ऑफ लाइफ नामक कार्यक्रम 8 फरवरी 2025 को ब्लिट्ज़श्लैग '25 के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था। रणनीति, उद्यमिता और वास्तविक जीवन के निर्णयों को मिलाते हुए, इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को एक आकर्षक और व्यस्त अनुभव प्रदान किया। लगभग 140 पंजीकरणों के साथ, इस कार्यक्रम में छात्रों की उत्साही भागीदारी देखी गई। मनोरंजन के साथ सीखने को मिलाकर इसका अभिनव प्रारूप इसे उत्सव के सबसे यादगार आकर्षणों में से एक बनाता है।







## छात्र गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

### सामग्री अनुसंधान केंद्र

एमआरसी ने 4 से 8 फरवरी 2025 तक “बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए सामग्रियों के संश्लेषण और विशेषता निर्धारण” पर एक अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें विभिन्न कॉलेजों के 45 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति आईआईएससी बेंगलोर के सामग्री अभियांत्रण विभाग के प्रो. अशोक एम. रायचूर थे।



कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हस्तियों, जैसे श्री प्रवीण कुमार (प्रबंध निदेशक, डीएफसीसीआईएल), प्रो. सुपरब मिश्रा (सामग्री अभियांत्रण विभाग, आईआईटी गांधीनगर) और प्रो. माइकल ब्रेडली (यूनिवर्सिटी ऑफ सस्केचेवान), ने एमआरसी का दौरा किया और केंद्र की सुविधाओं व उनके सुव्यवस्थित रखरखाव की सराहना की। एमआरसी ने 3 मार्च 2025 को आईआईएस विश्वविद्यालय, जयपुर के 20 छात्रों की मेज़बानी की और उन्हें अनुसंधान सुविधाओं का अवलोकन कराया। केंद्र के संकाय सदस्यों और छात्रों द्वारा प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में आठ शोध पत्र प्रकाशित किए गए।



### बास्केटबॉल टूर्नामेंट में रजत पदक

एमएनआईटी जयपुर गर्ल्स बास्केटबॉल टीम ने बास्केटबॉल और टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2024-25 में रजत पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।



### कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग

आईआईटी बॉम्बे में कंप्यूटिंग पर अनुसंधान और उद्योग संगोष्ठी 2025 का अनुभव

तृतीय वर्ष के छात्र आशीष कुमार ने आईआईटी बॉम्बे में कंप्यूटिंग पर अनुसंधान और उद्योग संगोष्ठी 2025 में भाग लिया, जो भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित एक कार्यक्रम है। अद्भुत अनुभव रहा, जिसमें गहन चर्चाएँ (कल के कार्यबल को आकार देना), अत्याधुनिक शोध और अकादमिक जगत के कुछ प्रतिभाशाली दिमागों (आईआईटी बॉम्बे सीएसई शीर्ष रैंकर्स) तथा उद्योगों के संस्थापक और सीईओ के साथ बातचीत शामिल थी। संगोष्ठी ने उन्हें शोधकर्ताओं, प्रोफेसरों और उद्योग के नेताओं के साथ नेटवर्किंग करते हुए एआई, मशीन लर्निंग, सिस्टम रिसर्च में नवाचारों का पता लगाने के लिए एक शानदार मंच प्रदान किया।







## छात्र गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ



### इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रण विभाग

तुषार जैन ने गेट 2025 में 105 की प्रभावशाली अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) हासिल की, उसके बाद प्रियांशु प्रजापति और सजल कुमार सिंह ने क्रमशः एआईआर 207 और एआईआर 710 हासिल की। इसके अलावा, आर्यन ने यूपीएससी संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा 2024 उत्तीर्ण की, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

प्रियंशु सॉन्टक्के ने ऑल इंडिया इंटर एनआईटी स्पोर्ट्स टूर्नामेंट 2025 में एमएनआईटी जयपुर के लिए चमक बिखेरी एनआईटी कर्नाटक, सुरथकल में आयोजित अखिल भारतीय अंतर एनआईटी स्पोर्ट्स मीट 2024-25 में एमएनआईटी जयपुर के इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्र प्रियांशु सोनटक्के का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। 10 किमी और 5 किमी की दौड़ में प्रतिस्पर्धा करते हुए, प्रियांशु ने 10 किमी की स्पर्धा में स्वर्ण पदक और 5 किमी की दौड़ में रजत पदक हासिल किया, जो पिछले साल की उनकी उपलब्धि को दोहराता है।



### नोवार्टिस नेस्ट हैकार्थॉन में राष्ट्रीय उपविजेता

राघव अरोड़ा (2022UEC1253) और धन्विन नंबूदरी (2022UEC1253) ने अनस्टॉप और नोवार्टिस इंडिया द्वारा आयोजित नोवार्टिस नेस्ट (उत्कृष्टता का पोषण और प्रतिभा को मजबूत करना) चैलेंज में टीम लॉन्गलाइव\_एआई के रूप में प्रतिस्पर्धा की। न्यायाधीश, जो नोवार्टिस के नेता और ग्लोबल प्रमुख थे, ने टीमों का मूल्यांकन उनके समाधान की गुणवत्ता और दो राउंड में टीम के प्रदर्शन के आधार पर किया। राघव और धनविन ने राष्ट्रीय उपविजेता स्थान प्राप्त किया और इसके लिए INR 75,000 जीते।







## छात्र गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

### ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र

#### सर्वश्रेष्ठ एथलीट (महिला) – वार्षिक एथलेटिक्स मीट 2025

प्रियंका राय, पीएच.डी. शोधार्थी, सेंटर फॉर एनर्जी एंड एनवायरनमेंट, ने वार्षिक एथलेटिक्स मीट 2025 में सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट का पुरस्कार प्राप्त किया! उनकी उपलब्धियों में शामिल हैं:

प्रथम स्थान – 100 मीटर दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, ट्रिपल जंप

द्वितीय स्थान – 4×100 मीटर रिले

तृतीय स्थान – डिस्कस थ्रो (चक्का फेंक)

उन्होंने एनआईटी सुरतकल में अखिल भारतीय अंतर एनआईटी एथलेटिक्स मीट 2024-25 में एमएनआईटी जयपुर का भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया:

ट्रिपल जंप – 8.63 मीटर

लॉन्ग जंप – 3.92 मीटर

उनका उत्कृष्ट प्रदर्शन अनुशासन, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता की खोज का उदाहरण है - ये वे गुण हैं जो एमएनआईटी जयपुर में विद्यार्थी समुदाय को परिभाषित करते हैं।



### अंतर-विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट में सीईई छात्रों का शानदार प्रदर्शन

सीईई के छात्र आकिब फिरदौस, राज गुप्ता और वैभव राठौर ने अंतर-शाखा क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से सेंटर का नाम रोशन किया। आकिब फिरदौस को टूर्नामेंट का शीर्ष स्कोरर घोषित किया गया, जिन्होंने फाइनल में मैच जीतने वाला अर्धशतक बनाया।





## छात्र गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

टीम के प्रदर्शन ने टीम वर्क, लचीलापन और शिक्षा और खेल के बीच मजबूत संतुलन की भावना को दर्शाया - एमएनआईटी जयपुर में गहराई से स्थापित मूल्यों को प्रतिबिंबित किया।



## अनुसंधान प्रकाशन और परियोजनाएँ

**पेटेंट: मिरगी के पुनरावृत्ति की पहचान और पूर्वानुमान के लिए एक उपकरण**

प्रो. अमित जोशी को "ए डिवाइस फॉर डिटेक्शन एंड प्रेडिक्शन ऑफ रिकरेन्स ऑफ मिर्गी" शीर्षक से पेटेंट प्रदान किया गया है। यह पेटेंट 24 मार्च 2025 को प्रदान किया गया।

प्रो. अमित जोशी ने आरएंडडी मेले, IInvenTiv-2025 में भाग लिया, जो 28 फरवरी और 1 मार्च 2025 को आईआईटी मद्रास परिसर में आयोजित किया गया था, इस मेले में भारत भर के विभिन्न आईआईटी/एनआईटी के संकाय स्टार्टअप शामिल थे। डॉ. अमित एम. जोशी ने एमएनआईटी जयपुर का प्रतिनिधित्व किया है और अपने स्टार्ट अप स्वरोग्यम मेडिकल डिवाइस प्राइवेट लिमिटेड से आईजीएलयू: इंटेलिजेंट ग्लूकोमीटर के कार्यशील प्रोटोटाइप का प्रदर्शन किया है, जो एमएनआईटी इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर में पंजीकृत है।







## अनुसंधान प्रकाशन और परियोजनाएँ

### इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

पेटेंट शीर्षक: श्वास दर मापन के लिए लचीले स्ट्रेन-सेंसर के निर्माण की विधि और इसका लचीला स्ट्रेन-सेंसर उपकरण  
पेटेंटधारक: श्री पुनीत शर्मा, श्री अतुल कुमार शर्मा, डॉ. रिंतु शर्मा, डॉ. विजय जनयानी

पेटेंट शीर्षक: यातायात प्रबंधन की विधि द्वारा वाहनों के यातायात का समय निर्धारण  
अन्वेषकों के नाम: डॉ. अमित कुमार गर्ग, गौरी शंकर टाक, दीपक गुर्जर, आयुष कुमार गुप्ता, प्रो. विजय जनयानी  
स्वीकृत परियोजनाएँ

परियोजना अन्वेषक: प्रो. विनीत साहुला  
परियोजना का शीर्षक: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमी (चरण-2)  
वित्तपोषण एजेंसी: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय, भारत सरकार  
राशि: 1005.58 लाख  
अवधि: 2024-2029

परियोजना अन्वेषक: डॉ. अमित महेश जोशी  
परियोजना शीर्षक: एफपीजीए का उपयोग करते हुए मल्टीस्पेक्ट्रल इमेज कंप्रेशन के लिए ऑनबोर्ड स्पेक्ट्रल प्रीप्रोसेसिंग  
फंडिंग एजेंसी: इसरो  
राशि: 18.62 लाख  
अवधि: 2 वर्ष  
परियोजना अन्वेषक: डॉ. कुलदीप सिंह  
परियोजना का शीर्षक: स्मार्ट प्रणालियों के डेटा ट्रैफिक आधारित विश्लेषण के लिए तकनीकों का विकास  
वित्त पोषण एजेंसी: रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार  
राशि: 113.97 लाख  
अवधि: 2023-2025  
प्रकाशित शोध-पत्र  
संकाय सदस्यों ने साधना, सूचना विज्ञान, सौर ऊर्जा सामग्री और सौर सेल सहित अन्य प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 11 जर्नल प्रकाशनों में योगदान दिया।

उल्लेखनीय योगदानकर्ताओं में प्रोफेसर एस. सिंगल (4 शोध-पत्र), डॉ. विक्रम मौर्य (3 शोध-पत्र) और डॉ. ऋतु शर्मा (2 शोध-पत्र) शामिल रहे।  
प्रोफेसर एस. जे. नंदा, प्रोफेसर एच. मित्तल और प्रोफेसर आर. पी. यादव ने तीन स्पिंगर पुस्तक संस्करणों में योगदान दिया, जो एल्गोरिदम फॉर इंटेलिजेंट सिस्टम्स और लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क्स एंड सिस्टम्स के तहत प्रकाशित हुए।

### मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

#### अनुसंधान परियोजना

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दीप्ति शर्मा को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा “भारत के हरित ऊर्जा परिवर्तन को सशक्त बनाना कृषि में सौर ऊर्जा एकीकरण का एक अनुभवजन्य अध्ययन” पर एक शोध परियोजना प्रदान की गई है।

परियोजना स्वीकृत  
अन्वेषक का नाम: प्रो. मनीष वशिष्ठ  
परियोजना शीर्षक: सरसों फसल अवशेष से विकसित सतत एवं किफायती सोखक का अपशिष्ट जल उपचार हेतु विकास  
अनुदान राशि: ₹9.4 लाख  
अवधि: 2 वर्ष  
संस्थान/एजेंसी: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान

#### धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. स्वाति शर्मा के मार्गदर्शन में "सैटेलाइट थ्रस्टर्स हेतु प्लाज्मा स्प्रे द्वारा उच्च ताप ऑक्सीकरण प्रतिरोधी कोटिंग सामग्री का विकास" विषय पर एक अनुसंधान परियोजना कार्यरत है, जिसे ISRO-RACS द्वारा प्रायोजित किया गया है। इस परियोजना को ₹22 लाख की धनराशि प्राप्त हुई है। वहीं, डॉ. रणधीर कुमार सिंह के निर्देशन में "तरल रॉकेट इंजनों में प्रयुक्त गैर-मानक सामग्रियों (स्टेनलेस स्टील, कॉपर तथा निकल बेस सुपरएलॉय) में उपस्थित अवस्थाओं का ऊष्मागतिकीय मॉडलिंग" विषय पर एक अन्य परियोजना चल रही है, जिसे भी ISRO-RACS द्वारा प्रायोजित किया गया है। इस परियोजना को ₹20.80 लाख की अनुदान राशि प्राप्त हुई है।





## धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग

प्रो. राजेन्द्र कुमार गोयल के नेतृत्व में "उच्च शुद्धता धातु की पुनर्प्राप्ति हेतु तकनीक का विकास" विषय पर एक परियोजना संचालित की जा रही है, जिसे एरोमैटिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया गया है। इस परियोजना को ₹15.30 लाख की अनुसंधान अनुदान राशि प्राप्त हुई है।

प्रो. राजेन्द्र कुमार गोयल एक अन्य परियोजना का भी नेतृत्व कर रहे हैं जिसका शीर्षक है – “एयरोस्पेस एवं अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए पॉलीईथरइमाइड (ULTEM) आधारित नैनो-कॉम्पोजिट्स का एडिटिव मैनुफैक्चरिंग”। यह परियोजना भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा प्रायोजित है और इसके लिए ₹25.86 लाख की अनुसंधान अनुदान राशि प्राप्त हुई है।

धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग द्वारा विगत वर्ष में 12 शोधपत्र प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए, जिनमें Journal of Material Research Technology, The Journal of the Minerals, Metals and Materials Society, Journal of Material Science: Materials in Electronics आदि प्रमुख हैं।

## पेटेंट्स:

- "नैनोक्रीस्टलाइन स्व-चिकनाहट युक्त निकेल-सिल्वर मिश्र धातु कोटिंग्स की इलेक्ट्रोडिपोजिशन की एक प्रक्रिया" विषयक पेटेंट का प्रकाशन ब्रिज मोहन मुंडोटिया, बंटी चौहान, सुरेश बांदी एवं विजय नवरत्न नदकुडुरु द्वारा किया गया है। इसका पंजीकरण संख्या 202511014465 है [इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी इंडिया]। यह पेटेंट 20-02-2025 को प्रकाशित हुआ।
- ब्रिज मोहन मुंडोटिया, सुरेश बांदी एवं श्रवण कुमार बैरवा द्वारा "निकेल-एल्युमिनियम ब्रॉन्ज सबस्ट्रेट पर जंग प्रतिरोधी निकेल-टाइटेनियम मिश्र धातु कोटिंग्स की इलेक्ट्रोडिपोजिशन की एक प्रक्रिया" विषयक पेटेंट दाखिल किया गया है। इसका पंजीकरण संख्या 202511020992 है [इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी इंडिया]। यह पेटेंट 08-03-2025 को दायर किया गया।
- "अल्ट्रा-फाइन ग्रेन्ड गामा टाइटेनियम एल्युमिनाइड मिश्रधातुओं के संश्लेषण की एक विधि" विषयक पेटेंट विजय नवरत्न नदकुडुरु एवं मृगेश वर्मा नवलकिशोर द्वारा दायर किया गया है। इसका पंजीकरण संख्या TEMP/E-1/28349/2025-DEL है [इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी इंडिया]। यह पेटेंट 19-03-2025 को दायर किया गया।



# औद्योगिक दौरे

## आरईएमसी का औद्योगिक दौरा

आईईईई पावर एंड एनर्जी सोसाइटी, छात्र शाखा अध्याय एमएनआईटी जयपुर ने 20 मार्च 2025 को अक्षय ऊर्जा प्रबंधन केंद्र और राज्य लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) हीरापुरा का औद्योगिक दौरा सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस दौरे से छात्रों को वास्तविक समय की बिजली प्रणाली संचालन, लोड डिस्पैच प्रबंधन और ग्रिड निगरानी की प्रत्यक्ष समझ मिली। आईईईईई पीईएस एसबीसी एमएनआईटी जयपुर ने डॉ. सतीश शर्मा और प्रो. रोहित भाकर (संकाय सलाहकार) और अजय कुमार वर्मा (अध्यक्ष, एसबी चैप्टर) का हार्दिक आभार व्यक्त किया। छात्रों की मेजबानी के लिए एसएलडीसी के एसई श्री कमल पाटीदार को विशेष धन्यवाद दिया गया।



## एसएलडीसी और आरईएमसी में औद्योगिक दौरा

एमएनआईटी जयपुर के ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र (सीईईई) के एमटेक और पीएचडी छात्रों ने 24 मार्च 2025 को जयपुर के हीरापुरा में स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) और अक्षय ऊर्जा प्रबंधन केंद्र (आरईएमसी) का तकनीकी क्षेत्र दौरा किया।



एसएलडीसी के पेशेवरों के मार्गदर्शन में, छात्रों ने रीयल-टाइम ग्रिड मॉनिटरिंग, फॉल्ट डिटेक्शन और नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की।

इस यात्रा में ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करते हुए राजस्थान की सौर और पवन ऊर्जा के पूर्वानुमान और समय-निर्धारण में आरईएमसी की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। डॉ. पारुल मथुरिया और डॉ. अमर्त्य चौधरी के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा ने ऊर्जा क्षेत्र में व्यावहारिक शिक्षा के प्रति एमएनआईटी की प्रतिबद्धता को मजबूत किया। इस ज्ञानवर्धक सत्र की मेजबानी के लिए एसएलडीसी का आभार व्यक्त किया गया।





# संकाय उपलब्धियां

## रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. एमडी ओयेस मिह्ता (MNITJAS283) द्वारा विशेषज्ञ वार्ता में नीचे उल्लिखित तीन व्याख्यान दिए गए:

क्र. सं.	शीर्षक	संगठन	प्रकार	तारीख	अध्यक्षता /सह-अध्यक्षता
1.	"बायोइंजीनियर्ड सॉल्यूशंस फॉर क्लीन वॉटर: द म्यूचर ऑफ वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।	सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जयपुर के स्कूल ऑफ एन्वाइड साइंसेज द्वारा आयोजित।	कार्यशाला	19 मार्च 2025	विशेषज्ञ वार्ता
2.	"आउटकम आधारित शिक्षा एवं प्रत्यायन" विषय पर आयोजित फेकल्टी विकास कार्यक्रम (FDP) में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।	एलएनएमआईआईटी जयपुर और ईआईसीटी अकादमी एमएनआईटी जयपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित।	एफडीपी	3-12 मार्च 2025	विशेषज्ञ वार्ता
3.	"जल शोधन हेतु सतत प्रौद्योगिकियां" विषय पर आयोजित लघु अवधि पाठ्यक्रम (एसटीसी) में आमंत्रित व्याख्यान दिया।	एनआईटी दुर्गापुर के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित	एसटीसी	13-17 जनवरी 2025	आमंत्रित वार्ता



"परिणाम आधारित शिक्षा एवं प्रत्यायन" पर 10 दिवसीय एफडीपी (एलएनएमआईआईटी जयपुर)







# संकाय उपलब्धियां

## कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

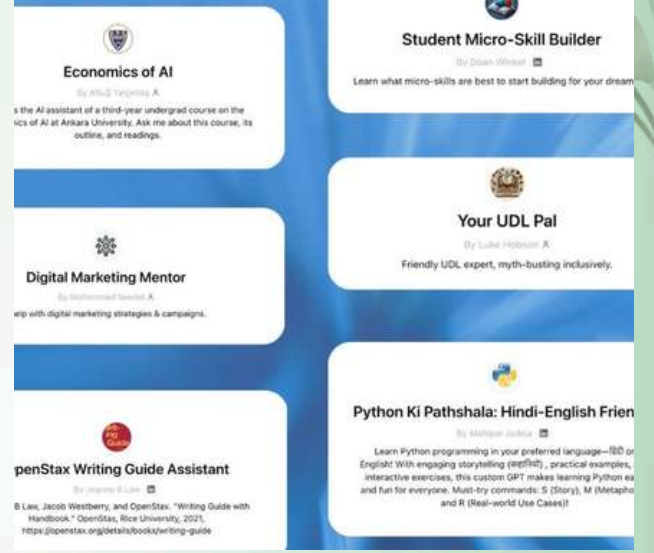
### शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता

डॉ. महीपाल जाडेजा, सहायक प्रोफेसर (सीएसई और एआईडीई), एमएनआईटी जयपुर, को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूके के शिक्षा विभाग के अंतर्गत एक अंतरविषयक पहल “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन एजुकेशन एट ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी (एआईईओयू) हब” में सहयोगी के रूप में शामिल किया गया। इस पहल का नेतृत्व डॉ. सारा रैटनर कर रही हैं। हब शिक्षा में नैतिक, शोध-सूचित और मानव-केंद्रित एआई को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करता है। इस वैश्विक प्रयास के हिस्से के रूप में, डॉ. जाडेजा ने ज्ञान अधिग्रहण, महत्वपूर्ण सोच और शिक्षा तक समान पहुंच को बढ़ाने के उद्देश्य से व्यक्तिगत एआई समाधानों के विकास में योगदान दिया, साथ ही डिजाइन, विनियमन, कार्यान्वयन और प्रभाव के एआईओयू के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों के साथ भी जुड़े।



### पायथन की पाठशाला जीपीटी

डॉ. महीपाल जाडेजा, सहायक प्रोफेसर (सीएसई और एआई एंड डीई), एमएनआईटी जयपुर, ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की जब उनका कस्टम मॉडल Python की पाठशाला जीपीटी को ओपनएआई के आधिकारिक न्यूज़लेटर शिक्षा के लिए चैटजीपीटी में प्रदर्शित किया गया। 1,60,000 से अधिक कस्टम जीपीटी और 35,000 से अधिक शिक्षा-केंद्रित मॉडलों में से चयनित यह मॉडल



Python शिक्षा के प्रति अपने नवोन्मेषी दृष्टिकोण के लिए विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। विशेष रूप से, यह वैश्विक मान्यता प्राप्त करने वाला पहला भारतीय-डिज़ाइन किया गया जीपीटी था, जो शिक्षा में एआई में भारतीय योगदान के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण था और एआई-सक्षम शिक्षा के क्षेत्र में एमएनआईटी जयपुर के बढ़ते नेतृत्व को उजागर करता है।

### बिज़नेस एथिक्स एसेंशियल्स" पुस्तक का विमोचन

एमएनआईटी जयपुर के प्रबंधन अध्ययन विभाग ने वाइब्रेंट पब्लिशर्स के सहयोग से विभाग की संकाय सदस्य डॉ. रितिका महाजन द्वारा लिखित पुस्तक बिज़नेस एथिक्स एसेंशियल्स का विमोचन किया।

लॉन्च कार्यक्रम में प्रोफेसर मोनिका शर्मा (एमएनआईटी जयपुर), डॉ. अनिर्बान सेनगुप्ता (संस्थापक और निदेशक, ससस्ट्रेट एडवाइजरी एलएलपी) और प्रोफेसर मणिपद्म दत्ता (अध्यक्ष, सीबीएसआर और पूर्व कुलपति, टेरी एसएस) सहित प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा विचारोत्तेजक मुख्य सत्र आयोजित किए गए।





सुश्री पूजा बैद सोमानी द्वारा संचालित एक गतिशील फायरसाइड चैट में विविध क्षेत्रों से जानकारियां एकत्रित की गई, जिनमें सिद्धार्थ चौधरी (संस्थापक, नमोह तंदूरी चाय), सुमित श्रीवास्तव (सह-संस्थापक, स्टार्टअप चौपाल), डॉ. सुदीप्ति अरोड़ा (शोध वैज्ञानिक, डॉ. बी लाल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी) और स्वयं डॉ. रितिका महाजन शामिल थे।

"बिज़नेस एथिक्स एसेंशियल्स" वास्तविक दुनिया में नैतिक द्वंद्वों की पड़ताल करती है, और कुछ विचारोत्तेजक प्रश्न उठाती है जैसे: गलत को सही क्यों महसूस होता है? सही काम करना अक्सर इतना कठिन क्यों होता है? यह पुस्तक कठोर उत्तर देने के बजाय पाठकों को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करती है, ताकि वे अपनी स्वयं की नैतिक समझ विकसित कर सकें।

यह प्रकाशन एक महत्वपूर्ण विद्वत्तापूर्ण योगदान है तथा व्यावसायिक नैतिकता के क्षेत्र में विचार नेतृत्व के प्रति एमएनआईटी जयपुर की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।







## डीनरी पहल

### रसायनिक अभियांत्रिकी तरुमाला

### रसायनिक अभियांत्रिकी तरुमाला के तहत रूट्स ऑफ रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल शुरू की गई

17 मार्च 2025 को, रसायनिक अभियांत्रिकी तरुमाला कार्यक्रम ने रूट्स ऑफ रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल के तहत एक नई साइट का उद्घाटन किया, जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को बल मिला। प्रोफेसर मंजू सिंह ने तरुमित्रों का स्वागत करते हुए कहा कि वृक्षारोपण केवल वनीकरण नहीं है, बल्कि यह उत्तरदायित्व और वैज्ञानिक जिज्ञासा को जागृत करने का एक अवसर भी है। प्रोफेसर सुजा जॉर्ज ने कचनार वृक्ष के पारिस्थितिक एवं औषधीय महत्व को रेखांकित करते हुए इसकी विशिष्टता पर प्रकाश डाला।



एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ीने पर्यावरणीय सततता हेतु सामूहिक प्रयासों की अपनी दृष्टि साझा की, वहीं डॉ. सुशांत उपाध्याय ने दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के महत्व पर बल दिया। सृष्टि सक्सेना ने तरुमित्रों को वृक्ष स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली से परिचित कराया। वर्तिका बोथरा के नेतृत्व में, उन्होंने अपने निर्धारित वृक्षों की देखभाल करने की शपथ ली, उसके बाद अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए वचनबद्धता पर हस्ताक्षर किए।





## पूर्व छात्रों की भागीदारी

### डायमंड जुबली पूर्व छात्र मिलन – 9 मार्च 2025

एमएनआईटी जयपुर ने 9 मार्च 2025 को प्रभा भवन स्थित दीक्षा सभागार में डायमंड जुबली बैच (1965-1970) के लिए पूर्व छात्र मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रो. राकेश जैन (प्रोफेसर इन्चार्ज, टी एंड पी), डॉ. आशीष दत्त शर्मा (अध्यक्ष, एमएनआईटीजेएए), डॉ. पवन कला (एसोसिएट डीन, पूर्व छात्र मामलों), श्री राकेश कुमार सिंह (समन्वयक, 1970 बैच) एवं श्री महेंद्र मीणा (महासचिव, एमएनआईटीजेएए) की गरिमामयी उपस्थिति रही।



समारोह की शुरुआत भावपूर्ण सरस्वती वंदना और एमएनआईटी कुलगीत के साथ हुई, जिसके पश्चात पुष्प स्वागत एवं वक्तव्यों का क्रम चला, जिनमें पूर्व छात्रों के मार्गदर्शन की भूमिका और संस्थान की उल्लेखनीय प्रगति को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर 26 पूर्व छात्रों एवं उनके जीवनसाथियों को सम्मानित किया गया।



कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, भोजन, तथा स्मृतिमय परिसर भ्रमण के साथ हुआ, जिसने पुराने संस्मरणों को पुनर्जीवित किया और संस्थान की समृद्ध विरासत को प्रतिबिंबित किया।







## पूर्व छात्र पुरस्कार समारोह – 22 मार्च 2025

चौथा पूर्व छात्र पुरस्कार समारोह 22 मार्च 2025 को एमएनआईटी जयपुर में आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में पूर्व छात्रों के उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित किया गया। इस आयोजन की शोभा बढ़ाने के लिए प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी (निदेशक एवं बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष), श्री शिव दास मीणा (मुख्य अतिथि), प्रो. दिलीप शर्मा (डीन, अंतरराष्ट्रीय एवं पूर्व छात्र मामले), डॉ. पवन कला (एसोसिएट डीन, पूर्व छात्र मामले) और डॉ. आशीष दत्त शर्मा (अध्यक्ष, एमएनआईटीजेए) उपस्थित रहे।

कुल 17 पूर्व छात्रों को चार पुरस्कार श्रेणियों के अंतर्गत सम्मानित किया गया:

- प्रो. अनुपम शुक्ला (1987), प्रो. निखिल गुप्ता (1995), श्री सतीश कुमार (1985), मित्रदत्त महापात्रा (1988), श्री ओ. पी. गुप्ता (1988) और श्री भृगु श्रीनिवासन (1990) को उनकी व्यावसायिक उपलब्धियों के लिए विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार प्रदान किया गया।
- यंग अचीवर्स अवार्ड डॉ. अमित अग्रवाल (2009), डॉ. सत्यनारायण पटेल (2012), श्री रवि यादव (2007), श्री परीक्षित यादव (2007) और डॉ. गौरव मित्तल (2005) को प्रदान किया गया।
- एमएनआईटी लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार श्री अरुण कुमार बहल (1979), श्री नवीन अरोड़ा (1978), श्री अर्जुन सिंह (1978), श्री सुरेन्द्र कुमार गांधी (1973) और श्री ए. के. खंडेलवाल (1985) को प्रदान किया गया। प्रो. वी. श्रीनिवासन मेमोरियल पुरस्कार प्रो. दीपक वशिष्ठ को प्रदान किया गया।



समारोह का समापन 1979 के पूर्व छात्र बैच द्वारा आर्थिक रूप से वंचित छात्रों के लिए छात्रवृत्ति कोष हेतु 27 लाख रुपये का योगदान देने के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के साथ हुआ।







## पुस्तकालय कार्यक्रम और कार्यशालाएँ

### उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत स्कूली विद्यार्थियों का भ्रमण

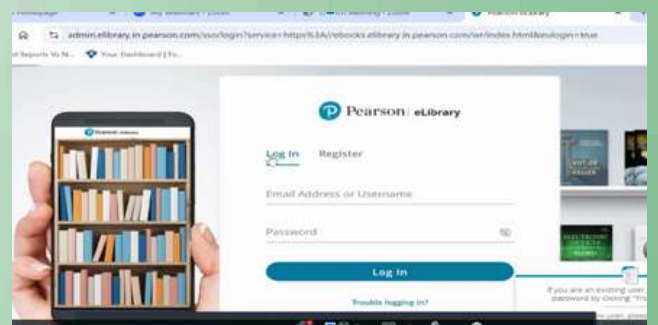
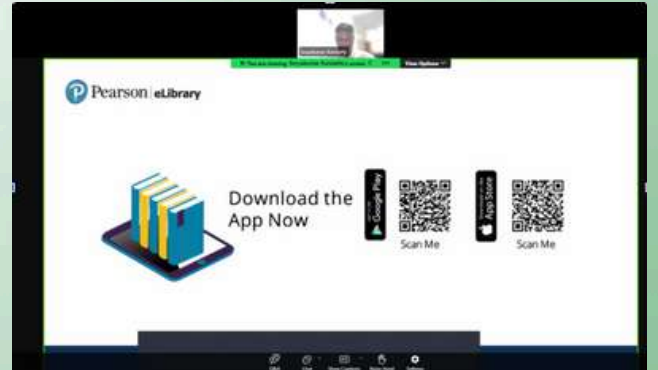
28 मार्च 2025 को, केंद्रीय पुस्तकालय को तमरिया, धब का नाला, पहाड़िया, भूरथल और जीरोता के राजकीय विद्यालयों के 50 स्कूली छात्रों के एक समूह की मेजबानी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिनके साथ उनके शिक्षक भी थे। यह भ्रमण उन्नत भारत अभियान पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य युवा विद्यार्थियों को उन्नत शैक्षणिक एवं तकनीकी परिवेश से परिचित कराना था। सत्र की शुरुआत डॉ. ऋषि तिवारी (पुस्तकालयाध्यक्ष) द्वारा सौहार्दपूर्ण स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने छात्रों को केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध विविध संसाधनों एवं सेवाओं से परिचित कराया। इसके पश्चात छात्रों को पुस्तकालय के प्रमुख अनुभागों का एक मार्गदर्शित भ्रमण कराया गया। इस यात्रा का मुख्य आकर्षण लाइब्रेरी की आरएफआईडी प्रणाली और स्मार्ट सर्कुलेशन सेवाओं का प्रदर्शन था। छात्रों ने उत्साहपूर्वक स्टाफ से संवाद किया, और उनकी जिज्ञासाओं का विस्तृत एवं समर्पित उत्तरों के साथ समाधान किया गया। यह भ्रमण युवा आगंतुकों पर गहरा प्रभाव छोड़ गया, जिससे उनकी जिज्ञासा और शैक्षणिक संसाधनों के प्रति प्रशंसा बढ़ी।



### ऑनलाइन उपयोगकर्ता जागरूकता सत्र: पियर्सन ई-लाइब्रेरी ओरिएंटेशन

19 मार्च 2025 को पियर्सन इंडियन एजुकेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जागरूकता बढ़ाने और डिजिटल शिक्षण संसाधनों के प्रभावी उपयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए "पियर्सन ई-लाइब्रेरी यूजर ओरिएंटेशन" नामक एक ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया था। यह सत्र जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित किया गया था और इसमें संस्थान के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के साथ-साथ शोध विद्वानों ने भी भाग लिया था।

श्री सूर्यकुमार कुणिसेट्टी (पियर्सन) ने सत्र की शुरुआत पियर्सन ई-लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म का संक्षिप्त परिचय देकर की। इसके बाद एक इंटरैक्टिव हैंड्स-ऑन डेमोंस्ट्रेशन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों को ई-रिसोर्सेज तक पहुँचने और उन्हें प्रभावी ढंग से नेविगेट करने का मार्गदर्शन दिया गया। यह सत्र उपयोगकर्ताओं में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने और विश्वसनीय शैक्षणिक सामग्री के माध्यम से स्वतंत्र अध्ययन को प्रोत्साहित करने में अत्यंत लाभकारी साबित हुआ।







## क्लब गतिविधियाँ और कार्यशालाएँ

### ICC द्वारा पैनल चर्चा

7 मार्च 2025 को आईसीसी (महिला प्रकोष्ठ) द्वारा एमएनआईटी परिसर में “उदाहरण द्वारा नेतृत्व: सशक्त महिला” विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें विकास अध्ययन संस्थान की पूर्व प्रोफेसर डॉ. शोभिता राजगोपाल; एमएनआईटी जयपुर की डीन छात्र कल्याण प्रो. कनुप्रिया सचदेव; सरप्राइज समवन की सुश्री पिकी माहेश्वरी और थिंकएग की एक्सेलेरेशन एवं इनसाइट्स प्रमुख डॉ. पल्लवी टाक पैनलिस्ट थीं। इस कार्यक्रम में लगभग 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें विभिन्न विभागों के प्रोफेसर, स्टाफ सदस्य और छात्र शामिल थे।

सत्र की शुरुआत डॉ. निरजा सरस्वत (सदस्य, आईसीसी) द्वारा स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद प्रो. नूपुर टंडन (प्रेसीडिंग ऑफिसर, आईसीसी) ने महिला प्रकोष्ठ (आईसीसी), एमएनआईटी जयपुर की भूमिका को रेखांकित किया, जिसमें संस्थान में महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। उन्होंने पैनल चर्चा के विषय का परिचय देते हुए इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं की आवाज़ को सुना जाना और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में प्रतिनिधित्व मिलना अत्यंत आवश्यक है। पैनलिस्टों ने विषय से संबंधित प्रासंगिक मुद्दों पर गहन चर्चा की।







## लिमिटलेस एबिलिटी क्लब

एमएनआईटी जयपुर ने 7 फरवरी 2025 को लिमिटलेस-एबिलिटी क्लब का उद्घाटन किया, जो समावेशिता को बढ़ावा देने और विशेष रूप से सक्षम छात्रों को सशक्त बनाने की एक अभूतपूर्व पहल है। निदेशक प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ीद्वारा उद्घाटन किया गया यह क्लब एमएनआईटी जयपुर में सांस्कृतिक सोसायटी का एक अभिन्न अंग था। डीन स्टूडेंट वेलफेयर, प्रो. कनुप्रिया सचदेव के समर्पित प्रयासों और एसोसिएट डीन (कल्चरल) डॉ. मीनाक्षी त्रिपाठी के दूरदर्शी प्रस्ताव के माध्यम से स्थापित, इस क्लब ने विशेष रूप से सक्षम छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए एक मंच प्रदान किया। इस कार्यक्रम में क्लब के छात्रों द्वारा कविता, हारमोनियम वादन और अन्य कई प्रेरणादायक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिससे दर्शक भावविभोर हो गए। आभारी छात्रों ने प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ीको उनके अटूट समर्थन के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। यह पहल समावेशिता, सशक्तिकरण और बिना किसी सीमा के क्षमताओं का जश्न मनाने के लिए एमएनआईटी जयपुर की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।





## द एनर्जी क्लब

एमएनआईटी जयपुर के एनर्जी क्लब ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर “रमन इफेक्ट: नई किरण की खोज” नामक एक लघु प्रदर्शनी आयोजित की, जो डॉ. सी. वी. रमन के वैज्ञानिक योगदानों को समर्पित थी। फिल्म में डॉ. रमन के सफर को दर्शाया गया, जिसमें उनकी प्रारंभिक ध्वनिकी (अकॉस्टिक्स) पर की गई शोध और रमन इफेक्ट की नोबेल पुरस्कार विजेता खोज को विशेष रूप से उजागर किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना, जिससे वे भारतीय वैज्ञानिकों के समकालीन अनुसंधान और तकनीकी प्रगति पर पढ़ने वाले स्थायी प्रभाव को समझ सकें।



## म्यूजिक क्लब

### अर्थ ऑवर जैमिंग सेशन

एमएनआईटी जयपुर के छात्र कल्याण डीन के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता पहल के समर्थन में, म्यूजिक क्लब ने 22 मार्च 2025 को अर्थ आवर के अवसर पर ओपन एयर थिएटर में एक भावपूर्ण जैमिंग सत्र का आयोजन किया। छात्र संगीत के माध्यम से स्थिरता की भावना का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए, जबकि परिसर के निवासियों को एक घंटे के लिए लाइट और उपकरण बंद करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कार्यक्रम रचनात्मकता और जागरूकता का सुंदर समागम था, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने में सामूहिक प्रयास की महत्ता पर जोर देता है। यह संध्या सिविल इंजीनियरिंग विभाग की डॉ. निवेदिता कौल द्वारा समन्वित गतिविधियों की एक व्यापक श्रृंखला का हिस्सा थी।







# एमएनआईटी जयपुर का दौरा: विज्ञान और ज्ञान की खोज

## सस्केचेवान विश्वविद्यालय प्रतिनिधिमंडल का भ्रमण – 17 से 19 मार्च 2024

कनाडा स्थित सस्केचेवान विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के प्रतिनिधिमंडल ने 17 से 19 मार्च 2024 के दौरान एमएनआईटी जयपुर का दौरा किया। इस यात्रा का उद्देश्य एक शैक्षणिक समझौता ज्ञापन (MoU) का नवीनीकरण था। प्रतिनिधिमंडल में डॉ. माइकल ब्रैडली (डीन), डॉ. अजय दलै और डॉ. वेंकटेश मेदा शामिल थे।

18 मार्च 2024 को आयोजित एमओयू हस्ताक्षर समारोह में प्रो. एन. पी. पाढ़ी(निदेशक, एमएनआईटी), प्रो. दिलीप शर्मा, डॉ. प्रेरणा जैन, डॉ. सत्येंद्र प्रसाद चौरसिया और डॉ. सुषांत उपाध्याय भी सम्मिलित हुए।

नवीन रूप से हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (MoU) दोनों संस्थानों के बीच छात्र/संकाय विनिमय, संयुक्त अनुसंधान, शैक्षणिक परियोजनाओं और अन्य सहयोगात्मक अवसरों को संभव बनाता है।

## एमआईआईसी में विशेषज्ञ दौरा

भारत सरकार के प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) के सचिव श्री राजेश कुमार पाठक ने 17 फरवरी 2025 को एमएनआईटी इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर (एमआईआईसी) का दौरा किया। यात्रा के दौरान, उन्होंने कई इनक्यूबेटीज़ के साथ बातचीत की और उनके अभिनव समाधानों और उद्यमशीलता उपक्रमों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्टार्टअप्स को समर्थन देने और भारत के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने हेतु TDB की पहलों का भी विस्तृत परिचय दिया। यह सत्र शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग और सरकार के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए चल रहे प्रयासों को रेखांकित करता है, जिससे उद्यमिता और तकनीकी प्रगति के लिए एक अनुकूल वातावरण निर्मित हो सके। चर्चा में भागीदारी बढ़ाने और उभरते हुए नवप्रवर्तकों को समर्थन प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे देश के प्रौद्योगिकी-संचालित विकास में योगदान मिल सके।







## एमएनआईटी जयपुर का भ्रमण: विज्ञान और ज्ञान की खोज



### एन. आई. एस. ई. और सी. ई. ई. के अधिकारियों का दौरा

4 मार्च 2025 को, ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र (सीईईई), एमएनआईटी जयपुर ने राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई), नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई), भारत सरकार के उप महानिदेशक डॉ. जय प्रकाश सिंह और उप निदेशक (तकनीकी) डॉ. अनीश मालन का स्वागत किया।

इस यात्रा में सहयोग के अवसरों, सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में प्रगति और भविष्य की साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा की गई। यह बातचीत अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय संस्थानों के साथ एमएनआईटी जयपुर की भागीदारी को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम था।



### शेखावटी कॉलेज, सीकर के एम.एस.सी. रसायन शास्त्र छात्रों का दौरा

शेखावटी कॉलेज, सीकर के एम.एस.सी. रसायन विज्ञान के छात्रों के एक समूह ने 4 अप्रैल 2025 को रसायन विज्ञान विभाग का दौरा किया। इस दौरे में प्रयोगशाला भ्रमण, संकाय के साथ इंटरैक्टिव सत्र और चल रही शोध गतिविधियों से परिचय शामिल था, जिससे छात्रों को मूल्यवान शैक्षणिक और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई।





# खबरों में एमएनआईटी जयपुर

गानक भारकर

पंजाब केसरी | 09.02.2025

## एमएनआईटी में वार्षिक बहुउद्देशीय कार्यक्रमों के सिलसिले में हुई कार्यशाला औद्योगीकरण में महिलाओं को सशक्त बनाने में आईटी एजुकेशन करेगा मदद

जयपुर, 8 फरवरी (व्यंज): मातृवर्षीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर ने भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी (आईएनईई) के सहयोग से 7 और 8 फरवरी को 'तकनीकी संशोद्धित दुनिया में महिला नेता' शीर्षक से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जेठों से विकसित हो रहे डिजिटल परिवर्तन के भीतर प्रमुख चुनौतियों, अवसरों और समाधानों पर विचार कर प्रौद्योगिकी क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने में है। कार्यक्रम में जयपुर और उसके आसपास के निवास करने वाली और उद्योगों की महिला सहभाग्यी



जयपुर: एमएनआईटी में 'तकनीकी संशोद्धित दुनिया में महिला नेता' विषय पर परिचय करते हुए विद्वान प्रो. एनपी पाद्री व अन्य।

गोपाल इंडीए, बीएफए और डॉ. गिवाडो भुजगाणी ने सम्पन्नता अर्थात् रूप में इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रमुख महिला नेता डॉ. विधा विष्वाठी संयोजक स्वरूप, डॉ. अशुकी शोभाकर (आईआईटीएम) मुंबई और प्रोफेडर काइ स्टीन करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता डॉ. एलनो टाक (हेड एक्सेलेंस इन इंटरनैशनल रिसर्च एजेंसी) और डॉ. आरती चक्रवर्ती धीर, अलका सिंह, डॉ. स्वाति सोनी संयोजक स्वरूप ने अपनी विशेषज्ञता और अनुभूति साझा की। कार्यक्रम में तकनीकी पेरो में महिलाओं के लिए हर स्तर पर सहायता की आवश्यकता, महिलाओं को अपना तकनीकी ज्ञान शुरू करने के लिए सहायक बनाने, तकनीकी में महिलाओं

के लिए अपने टाक को परिष्कार करने, मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को संतुष्ट करने और विविधता, समानता और समावेश को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम का समापन राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति अल्पना कटारजा की उपस्थिति में किया गया। उनके संबोधन ने महिलाओं को तकनीकी उद्योगों का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम ने महिलाओं को अपने क्षेत्र में सशक्त बनाने का लक्ष्य के साथ तकनीकी में महिलाओं को जोड़ने, सीखने और सहयोग करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

जयपुर, शुक्रवार 14 फरवरी 2025

हमारा समाचार जयपुर, रविवार 2 मार्च 2025

## एमएनआईटी जयपुर में दिव्यांग छात्रों के लिए लिमिटेडस-एबिलिटी क्लब



दिव्य राष्ट्र जयपुर। मातृवर्षीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर ने दिव्यांग छात्रों के लिए समर्पित एक महत्वपूर्ण पहल, लिमिटेडस-एबिलिटी क्लब का मंच उद्घाटन किया। एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. एन. पी. पाद्री ने इस क्लब का औपचारिक उद्घाटन किया। लिमिटेडस-एबिलिटी क्लब अब एमएनआईटी जयपुर की सांस्कृतिक समिति का अधिन हिस्सा है, जिसे डीन छात्र कल्याण प्रो. कनुप्रिया सचदेव के सतत समर्थन और एसोसिएट डीन (सांस्कृतिक) डॉ. मोनाक्षी विष्वाठी की दृष्टपूर्वक सहयोग किया गया है। यह मंच दिव्यांग छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और सांस्कृतिक व रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने और सहभागिता में शामिल करने का मंच प्रदान करेगा।

हृदयस्पर्शी सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिनमें भावपूर्ण कविता पाठ, मधुर हारमोनियम प्रस्तुति और अन्य आकर्षक प्रस्तुतियां शामिल थीं, ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। क्लब के छात्रों ने इस पहल को सकारण करने में प्रेरणादायक नेतृत्व और सतत समर्थन के लिए एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. एन. पी. पाद्री का हार्दिक आभार व्यक्त किया। लिमिटेडस-एबिलिटी क्लब एमएनआईटी जयपुर की समावेशिता, सराजितकरण और असीम क्षमताओं का उत्सव मनाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह ऐतिहासिक पहल न केवल संस्थान की समावेशी वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि दिव्यांग छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और एमएनआईटी जयपुर की सांस्कृतिक

इस पाठ्यक्रम का कोऑर्डिनेशन एमएनआईटी जयपुर के इण्डिया डिपार्टमेंट की एसोसिएट प्रोफेसर एवं HSS डिपार्टमेंट की हेड डॉ. शीता भट्ट और सोशियोलॉजी की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निधि बंसल कर रही हैं। यह वीक-लॉन्ग कोर्स इकोलॉजिकल सिस्टिम्स और ग्लोबल एनवायरनमेंटल डिस्कोवरी को समझने में रीच अकादमिक इनसाइट्स देने का काम करेगा।

मातृवर्षीय नेपोलन इंटीग्रेटेड ऑफ टेकनोलॉजी (एमएनआईटी) जयपुर में पोस्टकोलोनीयल इकोक्रिटिसिज्म ग्लोबल राइटिंग्स एंड क्रिटिकल नेचर्स विषय पर एक सप्ताह का वीआईएन पाठ्यक्रम शुरू हो गया। यह पाठ्यक्रम हर्षमैनिंग और सोशल साइंस डिपार्टमेंट की ओर से संरक्षण के डायरेक्टर प्रो. एन. पी. पाद्री के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम पोस्टकोलोनीयल लिटरेरी एनालिसिस और इकोक्रिटिसिज्म के जटिल संबंधों को समझने के लिए डिज़ाइन किया गया है।



यह पाठ्यक्रम पोस्टकोलोनीयल लिटरेरी एनालिसिस और इकोक्रिटिसिज्म के जटिल संबंधों को समझने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें अमेरिका की इंडाहो स्टेट यूनिवर्सिटी के इंडिया और फिलॉसफी डिपार्टमेंट के प्रतिष्ठित प्रोफेसर एलन जी. जॉनसन एक्सपर्ट के रूप में भाग ले रहे हैं। वे लिटरेचर और एनवायरनमेंट के इंटरडिप्लोमैटिक रीडिंग के माध्यम से पारिस्परिकता का गहरे से अध्ययन करेंगे।

जोनिंग सेरोमी में लोकल GIAN कोऑर्डिनेटर और CDEC के फैकल्टी इंचार्ज प्रो. महेश कुमार जाट ने डेवेलपमेंट, इकोलॉजी और सोल्यूटिव ऑफिसरी कनेक्शन की गहरी समझ को जरूरत पर जोर दिया। इस

## एमएनआईटी में 3 दिवसीय स्पोर्ट्स टूर्नामेंट मालवीय खेल टूर्नामेंट की हुई शुरुआत



हमारा समाचार जयपुर, रविवार 2 मार्च 2025

जयपुर। एमएनआईटी में मालवीय खेल टूर्नामेंट (एमएसटी: 25) की शुरुआत हुई। इस ऐतिहासिक 16वें संस्करण में 25 से अधिक टीमों हिस्सा ले रही हैं। मालवीय स्पोर्ट्स टूर्नामेंट 2025 ने निम्नलिखित टीमों में भाग ले रही है: आईआईटी जोधपुर, राजस्थान, एनआईटी जालंधर, पंजाब, ईसीबी सोकरन, राजस्थान, जेआईटी, जोधपुर, राजस्थान, जोधपुर तकनीकी विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान, मुंबई विश्वविद्यालय, इंदिरा प्रो. एन. पी. पाद्री का हार्दिक आभार व्यक्त किया। लिमिटेडस-एबिलिटी क्लब एमएनआईटी जयपुर की समावेशिता, सराजितकरण और असीम क्षमताओं का उत्सव मनाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह ऐतिहासिक पहल न केवल संस्थान की समावेशी वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि दिव्यांग छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और एमएनआईटी जयपुर की सांस्कृतिक

दिव्य राष्ट्र 05 मार्च, 2025

एमएनआईटी जयपुर में वीक लॉन्ग कोर्स की हुई शुरुआत: 'पोस्टकोलोनीयल इकोक्रिटिसिज्म' को समझना होगा आसान, यूएसए के प्रो एलन जी. जॉनसन रहे मोजूद



एमएनआईटी के विचार और कार्यों के अंत में तब अंतर्गत पारिस्परिकता को हमारा काम और इन एबिलिटी टैलेंट्स से जुड़ने के लिए को इंतजार किया।

11:25, 10:51 AM The study of art, music and dance was seen in Blitzzing | विद्यार्थी ने कला, संगीत और नृत्य की शिक्षा के माध्यम से जीवन को समझने का प्रयास किया।

## ब्लिट्जशैली में दिखी कला, संगीत और नृत्य की त्रिवेणी: नुककड़ तमाशा प्रतियोगिता में एमएनआईटी ने जीता पहला स्थान, डीजे वैभव के म्यूजिक पर थिरके कदम



एमएनआईटी जयपुर में आयोजित ब्लिट्जशैली 2025 के दूसरे दिन छात्रों का उत्साह, रचनात्मकता और सामुदायिकता की भावना अपने चरम पर रही। इस दिन नाटक, संगीत, नृत्य और अन्य रोचक प्रतियोगिताओं के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें एमएनआईटी और अन्य संस्थानों के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

एमएनआईटी जयपुर में आयोजित ब्लिट्जशैली 2025 के दूसरे दिन छात्रों का उत्साह, रचनात्मकता और सामुदायिकता की भावना अपने चरम पर रही। इस दिन नाटक, संगीत, नृत्य और अन्य रोचक प्रतियोगिताओं के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें एमएनआईटी और अन्य संस्थानों के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

द्वितीय दिन कनुप्रिया, शशीकांत, किशोरा, टैपल टैन्स, बेडमिंटन, बालेडॉल, क्विज, डेनस, ड्रामा, अर्थात् खेलों में भागीदारी शुरू हुई। प्रतियोगिताओं के अंत में शान को उद्घाटन अवसर पर कनुप्रिया सिंह कपूर ने किया। इस मौके पर डीन स्टूडेंट्स वेल्फेयर प्रो. कनुप्रिया सचदेव ने बताया कि स्पोर्ट्स के माध्यम से छात्रों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार मिलेगा।



द्वितीय दिन कनुप्रिया सिंह कपूर ने किया। इस मौके पर डीन स्टूडेंट्स वेल्फेयर प्रो. कनुप्रिया सचदेव ने बताया कि स्पोर्ट्स के माध्यम से छात्रों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार मिलेगा।

सामाजिक संदेश देने वाली प्रभावशाली प्रस्तुति के लिए रंगमंच को सबसे प्रभावशाली संदेश पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ड्रामा क्लब की मोनो-एक्ट प्रतियोगिता 'सोले स्टॉटसाइट' ने गहन व्यक्तिगत प्रस्तुतियों के जरिए दर्शकों को बांधे रखा।

## खेल, ज्ञान और रचनात्मकता का मिठा संगम

दिनभर फैमिली फ्यूड (मैवरिक्स), गेम ऑफ टाइटल (ईडी सेल) और कोर्टरूम: द मार्क ट्रायल (डिबेट क्लब) जैसे प्रतियोगिताओं ने छात्रों को रोमांच से भर दिया। म्यूजिक क्लब द्वारा आयोजित 'MNIA' हसल 503 ने उभरते संगीतकारों को मंच दिया, जबकि योग फोटोग्राफी इवेंट ने उत्सव की जीवंतता को कैमरे में कैद किया। रेपिड फिल्म क्रिज और जिगशो जेलीज ने सिनेमा और पहली प्रेमियों की बुद्धिमत्ता को परखा।



एमएनआईटी और अन्य संस्थानों के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

छात्रों की रचनात्मकता को निहारने के लिए बुक मैकिंग, फेयरटेल फेब्रिक और क्ले पॉटर जैसे वर्कशॉप आयोजित की गईं। न्हा डोंस और महफिल-ए-जेसे जैसे कार्यक्रमों ने कविता, संगीत और नृत्य के मिश्रण से खास माहौल बनाया। ड्रामा होते ही रंग-सांख्य नृत्य प्रतियोगिता ने मंच पर धमाल मचाया। राशि में डीजे



# खबरों में एमएनआईटी जयपुर

पंजाब केसरी | राशिवाट • 29 मार्च, 2025 | 6

## एमएनआईटी-एनएफसी के बीच एमओयू

जयपुर, 28 मार्च (ब्यूरो) : मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) के धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग विभाग ने दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. कोमल कपूर, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, न्यूक्लियर फ्यूएल कॉम्प्लेक्स और विशिष्ट अतिथि ब्रिगेडियर अनुप गांगुली, महासचिव (आईआईएम) की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में प्रो. एनपी पाधी, अध्यक्ष कार्यवाहक और निदेशक एमएनआईटी और प्रो. भुवनेश गुप्ता, अध्यक्ष, एशियन पॉलिमर एसोसिएशन भी मौजूद रहे। आयोजन

सचिव डॉ. स्वाति शर्मा ने सम्मेलन के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रतिभागियों का स्वागत किया। सम्मेलन के अध्यक्ष और एमएनआईटी विभागाध्यक्ष प्रो. आरके गोयल ने सम्मेलन के विषय और उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। सम्मेलन के दौरान मुख्य अतिथि ने विशेष रूप से अंतरिक्ष अनुसंधान और परमाणु ईंधन के लिए उन्नत स्थायी सामग्रियों के विकास के महत्व पर जोर दिया। इस आयोजन का एक विशेष उपलब्धि एमएनआईटी जयपुर और न्यूक्लियर फ्यूएल कॉम्प्लेक्स (एनएफसी) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।

एमएनआईटी जयपुर पहुंचे डीआरडीओ डीजी डॉ. एलसी मंगल रक्षा क्षेत्र में नवाचार और सहयोग को मिलेगा नया आयाम, डीआईए-सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के साथ जोड़ने की जताई उम्मीद



डॉ. एलसी मंगल को एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रो. एनपी पाधी (बाएं) ने एक पुरस्कार प्रदान किया।

हावी राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) के निदेशक जनरल (टेकनोलॉजी मैनेजमेंट) डॉ. एल.सी. मंगल दौरे पर पहुंचे। जनरल की एक शक्ति यह दौरा अनुसंधान, नवाचार और संस्थागत सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण दम सहित होता।

1. अखबार पर एमएनआईटी के निदेशक प्रो. एनपी पाधी और अनुसंधान एवं विकास अधिकारी प्रो. राव भार्गव साथ एक प्रोडक्टिव मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें रक्षा क्षेत्र से जुड़े अनुसंधान व तकनीकी विकास पर बातचीत हुई।

2. क्षेत्र में महान समीक्षा होने के क्षेत्र में

एल.सी. मंगल ने इस दौरे के दौरान सुझाव दिया कि एमएनआईटी जयपुर को डीआरडीओ के किसी आईए-सेंटर ऑफ एक्सिलेंस (DIA-COE) के साथ जोड़ा जा सकता है, जिससे संस्थान रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में महान समीक्षा पर काम कर सके। उन्होंने विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं पर साझा टिप्पणियां प्रस्तुत कीं और अनुसंधान परियोजनाओं की संभावनाएं तलाशने पर बात किया।

3. उच्चस्तरीय बातचीत ने एमएनआईटी और डीआरडीओ के बीच संबंधों को रक्षा-विकास सहयोग की दिशा में बढ़ा दिया है। यह साझेदारी उन्नत तकनीकी अनुसंधान को गति देने, रक्षा नवाचार को बढ़ावा देने और रक्षाओं को cutting-edge प्रौद्योगिकियों से जोड़ने में सहयोग सिद्ध होगी।

MNIT training teachers of PM-SHRI schools in AI - Times of India

THE TIMES OF INDIA | Mar 19, 2025

## MNIT training teachers of PM-SHRI schools in AI



Jaipur: Malviya National Institute of Technology (MNIT) Jaipur, along with IIT Delhi, is training govt school teachers from PM Shri schools on how to use artificial intelligence, with an emphasis on its application in hardware. Officials said that the aim of this training is to enable teachers to go beyond the syllabus and help students experiment, bridging the gap between emerging technologies and academic pedagogy. As part of the training, teachers are being taught to use artificial intelligence beyond just software and encourage students to create devices like robotics.

Department of Chemical Engineering, MNIT Jaipur, in collaboration with the I-Hub Foundation for Cobotics (IHFC), IIT Delhi, started the five-day training program on Monday. "This specialized training program aims to enhance the AI and coding skills of Trained Graduate Teachers (TGTs) from PM SHRI Kendriya Vidyalaya Schools across Rajasthan. The objective of this workshop is to provide skill enhancement. TNN

## विशेष गरिमा

जयपुर । राजस्थान सरकार के डीएसटी सचिव वी. सरवण कुमार ने एमएनआईटी जयपुर के सहयोग से आईएचएफसी द्वारा आयोजित पीएम श्री केवीएस के पीजीटी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कोडिंग विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजस्थान राज्य के लगभग 55 पीजीटी भाग ले रहे हैं, इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को माइक्रोकंट्रोलर, सेंसर और मशीन लर्निंग के विषय में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। साथ ही, इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, प्रतिभागी विज्ञान और

इंजीनियरिंग अन्वेषण (एसईई) पहल के तहत अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का भी दौरा करेंगे और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए अभिनव समाधान विकसित करने के लिए टीम-उन्मुख परियोजनाओं में शामिल होंगे। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा - (एनईपी- 2020) के अनुरूप है, नवाचार से प्रेरित शिक्षा को बढ़ा देती है और अत्याधुनिक तकनीकों के साथ कक्षा के अनुभवों को बढ़ाने के लिए शिक्षकों को सशक्त बनाती।

एमएनआईटी के निदेशक प्रो. एनपी पाधी और डीआईए-सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के निदेशक प्रो. एनपी पाधी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

समाचार जगत | जयपुर, 18 अप्रैल, 2025 | 9

## फिनटेक नवाचार और डिजिटल वित्तीय प्रथाओं पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन



जयपुर, समाचार जगत न्यूज - मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर के प्रबंधन अध्ययन विभाग ने गुरुवार को 'फिनटेक नवाचार और डिजिटल वित्तीय प्रथाओं पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन' का आयोजन किया। सम्मेलन का प्रायोजन भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य सतत विकास को बढ़ावा देने में वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) की बढ़ती भूमिका का अन्वेषण करना था। सम्मेलन में डिजिटल वित्त के बदलते परिदृश्य, वित्तीय समावेशन में इसकी भूमिका, नवाचार को बढ़ावा देने और सतत आर्थिक विकास में इसके योगदान पर विचार विमर्श किया गया। मुख्य वक्तव्यों, विशेषज्ञ पैनल चर्चाओं और शोध पत्र प्रस्तुतियों के माध्यम से सम्मेलन में फिनटेक और वित्तीय समावेशन, ब्लॉकचेन और विकेन्द्रीकृत वित्त, सतत वित्त और ESG एकीकरण, डिजिटल ऋण और क्रेडिट रोकथाम, ग्रीन फिनटेक और जलवायु नवाचार, नियामक ढांचे और नीति संबंधी चुनौतियों जैसे विषयों पर विचार किया गया। इसके अतिरिक्त, साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता, सीमा पार भुगतान और डिजिटल मुद्राओं जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों, शोधकर्तों और उद्योग के प्रतिनिधियों का सहभाग्य था।

दैनिक मूदल पत्रिका | राशिवाट, 22 मार्च, 2025 | 3

## एमएनआईटी जयपुर ने किया एमओयू



जयपुर (मूदल पत्रिका) । एमएनआईटी जयपुर को कलिंग ऑफ इंजीनियरिंग, युनिवर्सिटी ऑफ सरकेट्स, इलेक्ट्रिकल, कन्ट्रोल और एमएनआईटी जयपुर, के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर सफलतापूर्वक हस्ताक्षर करने की घोषणा करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। (अध्यक्ष (आईआईटी), वीओजी और एमएनआईटी जयपुर के निदेशक, प्रोफेसर एन.पी. पाधी और डॉ. माइकल व्रेडली, डीन, कलिंग ऑफ इंजीनियरिंग ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह सहयोग सक्रिय सहयोग के उद्देश्य से एक मजबूत साझेदारी को दर्शाता है, जैसे कि अनुसंधान को आगे बढ़ाना, शैक्षिक अवसरों को बढ़ाना, नवाचार को बढ़ावा देना आदि। इस समझौता ज्ञापन के साथ, हम आपसी सहयोग को प्राप्त करने और प्रौद्योगिकी और शिक्षा के क्षेत्रों में एक उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और साथ ही इस रोमांचक यात्रा के लिए तैयार हैं।



एमएनआईटी के निदेशक प्रो. एनपी पाधी ने एमएनआईटी के निदेशक प्रो. एनपी पाधी को एक पुरस्कार प्रदान किया।

10 | जयपुर, बुधवार, 4 अप्रैल, 2025

## मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शिक्षकों को मिली सेंसर और मशीन लर्निंग की जानकारी

जयपुर @ पत्रिका प्लस. मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कोडिंग विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन राजस्थान सरकार के डीएसटी सचिव वी. सरवण कुमार ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को माइक्रोकंट्रोलर, सेंसर और मशीन लर्निंग के विषय में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। प्रतिभागी विज्ञान और इंजीनियरिंग अन्वेषण (एसईई) पहल के तहत अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का दौरा भी करेंगे। साथ ही वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए अभिनव समाधान विकसित करने के लिए टीम-उन्मुख परियोजनाओं में शामिल होंगे। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी- 2020) के अनुरूप है, जो नवाचार से प्रेरित शिक्षा को बढ़ावा देती है।

एमएनआईटी के निदेशक प्रो. एनपी पाधी और डीआईए-सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के निदेशक प्रो. एनपी पाधी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।





## वेलनेस कॉर्नर

### मानसिक स्वास्थ्य की समझ: रोग और विकार में क्या अंतर है?

मानसिक स्वास्थ्य कभी-कभी भ्रमित करने वाला हो सकता है। उदाहरण के लिए, लोग “रोग” और “विकार” को अक्सर एक जैसा समझ लेते हैं, लेकिन इनका अर्थ अलग होता है। रोग का सामान्यतः स्पष्ट कारण होता है और इसके लक्षण भी दिखते हैं, जैसे डायबिटीज़ या संक्रमण। डॉक्टर इसे जांचों के माध्यम से पुष्टि करते हैं। वहीं, विकार, खासकर मानसिक स्वास्थ्य विकार, हमारे सोचने, महसूस करने या व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित करता है। इसका कारण अस्पष्ट हो सकता है और इसके लिए कोई चिकित्सीय परीक्षण उपलब्ध नहीं हो सकता। उदाहरण के लिए, चिंता, डिप्रेशन या बाइपोलर विकार। इसे देखने में स्पष्ट न होना इसका अस्तित्व कम नहीं करता। अफसोस की बात है कि मानसिक स्वास्थ्य की स्थितियों को अक्सर कमजोरी या ध्यान आकर्षित करने के तौर पर गलत समझा जाता है, जो सच नहीं है। डिप्रेशन से पीड़ित व्यक्ति आलसी नहीं होता; उनके मस्तिष्क में रासायनिक असंतुलन हो सकता है। चिंता विकार से जूझ रहे व्यक्ति अतिशय प्रतिक्रिया नहीं दे रहे होते; वे अक्सर खतरे की निरंतर भावना में रहते हैं। ओसीडी से प्रभावित व्यक्ति केवल जिद्दी नहीं होते; वे आंतरिक पीड़ा से निपटने की कोशिश कर रहे होते हैं। अगर आप संघर्ष कर रहे हैं, तो याद रखें कि आप अकेले नहीं हैं। वेलनेस क्लब आपकी सहायता के लिए यहाँ है। यदि आप गोपनीय सहायता चाहते हैं, तो भारत सरकार ने टेली मानस (Tele MANAS) नामक मुफ्त 24x7 राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन शुरू की है। यह देश भर के काउंसलर और मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों से आपको जोड़ती है और कई भारतीय भाषाओं में सहायता प्रदान करती है। आप गोपनीय सहायता के लिए 14416 पर संपर्क कर सकते हैं।

मदद मांगना ताकत की निशानी है, और हम सब मिलकर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक को तोड़ सकते हैं।

वेलनेस क्लब, एमएनआईटी जयपुर

संपर्क: [coordinator.wellness@mnit.ac.in](mailto:coordinator.wellness@mnit.ac.in)







## कुलगीत

गालव ऋषि की तपोभूमि पर,  
प्रौद्योगिकी ज्ञान का संगम ।  
विश्वपटल पर आलोकित है,  
भारतीय मेधा का परचम ॥  
नवरचना के लिए समर्पित,  
नूतन अभ्युत्थान ।  
जय-जय मालवीय संस्थान ॥1॥

ढूँढ़ाड़ी माटी का उत्सव,  
बिखरा यहां गुलाबी वैभव  
। भव्य भवन, पथ, जंतर-मंतर,  
स्थापत्य, कलाएँ अभिनव ॥  
अरावली की उपत्यका में,  
ज्ञानोदय अभियान।  
जय-जय मालवीय संस्थान ॥2॥

तकनीकी विद्या का साधक,  
मानव मूल्यों का आराधक ।  
यन्त्र, तन्त्र, अणु-कौशल शिक्षा,  
वैज्ञानिक दृष्टि का वाहक ॥  
अखिल विश्व हित शोध सर्जना,  
भारत का प्रतिमान ।  
जय-जय मालवीय संस्थान ॥३॥

जल, थल, अंतरिक्ष अवगाहन,  
श्रम से शृंगारित हो जीवन ।  
अमृतकाल के अग्रदूत हम,  
करते नवयुग का आवाहन ॥  
"योगः कर्मसु कौशलम्" का,  
गूँज रहा जयगान।  
जय-जय मालवीय संस्थान ॥4॥

रचनाकार :

डॉ. इंदुशेखर तत्पुरुष

पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान साहित्य अकादमी, (राज्यमंत्री दर्जा - राजस्थान सरकार)

कवि, आलोचक, निबंधकार एवं संपादक ।

आपकी प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण है!

हमारे काम के बारे में अपनी राय देने या हमारी टीम से संपर्क करने के लिए यहाँ  
स्कैन करें।







### समन्वयक संस्थान

#### समाचार पत्रिका

डॉ. पारुल माथुरिया  
(सहायक प्रोफेसर, ऊर्जा एवं पर्यावरण  
केंद्र)

#### संपादकीय

डॉ. मेनका  
(सहायक प्रोफेसर,  
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग)  
डॉ. गीतांजली चट्टोपाध्याय  
(सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग)  
सुप्रिया अवस्थी  
(शोधार्थी, ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र)  
सन्नी रॉय-न्यूरोन  
(एम.टेक, ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र)  
आस्था राठौड़  
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, विद्युत अभियांत्रिकी)  
अक्षता जाधव  
(बी.आर्क, चतुर्थ सेमेस्टर)  
अमित कुमार सिंह  
(एम.टेक, द्वितीय सेमेस्टर, कंप्यूटर साइंस एवं  
इंजीनियरिंग)  
हिमांक धामानिया  
(बी.टेक, षष्ठ सेमेस्टर, धातुकर्म)  
मनीषा सिंह बंगाड़ी  
(मास्टर्स, द्वितीय सेमेस्टर,  
फार्मास्यूटिकल बायोटेक्नोलॉजी और मैनेजमेंट)  
प्रणव प्रशांत मालवडकर  
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, यांत्रिक अभियांत्रिकी)

#### तकनीकी सहयोग, आउटरीच

डॉ. सद्भावना  
(सहायक प्रोफेसर,  
कंप्यूटर साइंस अभियांत्रिकी विभाग)  
रुद्र प्रताप सिंह  
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर,  
यांत्रिक अभियांत्रिकी)  
सुभ्रजीत रांय  
(बी.टेक, षष्ठ सेमेस्टर,  
कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग)

शलविन दिदवानिया  
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर,  
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा इंजीनियरिंग)  
रामेश्वर  
(बी.टेक, द्वितीय सेमेस्टर,  
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा इंजीनियरिंग)  
आर्यन गोयल  
(बी.टेक, द्वितीय सेमेस्टर,  
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)

#### डिज़ाइन

डॉ. सूरजित घोष  
(सहायक प्रोफेसर,  
रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग)  
आर्किटेक्ट हिमांशु योगी  
(सहायक प्रोफेसर,  
वास्तुकला एवं नियोजन विभाग)  
अनामिका लक्ष्मी  
(बी.टेक, षष्ठ सेमेस्टर,  
कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग)  
एस. साई मृधुला  
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर,  
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा इंजीनियरिंग)  
राइमा टंडन  
(बी.आर्क, चतुर्थ सेमेस्टर)

#### कंटेंट मैनेजमेंट

डॉ. अनुभा जिंदल  
(सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग)  
डॉ. बिकाशबिंदु दास  
(सहायक प्रोफेसर, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग)  
यशस्विनी उपाध्याय  
(बी.टेक, षष्ठ सेमेस्टर, रासायनिक अभियांत्रिकी)  
प्रिया कुंडकर  
(बी.टेक, षष्ठ सेमेस्टर, रासायनिक अभियांत्रिकी)  
पुनीत  
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, रासायनिक अभियांत्रिकी)

अनन्या श्रीवास्तव  
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर,  
विद्युत अभियांत्रिकी)  
विनीत सिंह परीहार  
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर,  
विद्युत अभियांत्रिकी)  
मन्या बजाज  
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर,  
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)  
परिभाषा रस्तोगी  
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर,  
विद्युत अभियांत्रिकी)  
चिन्मय मित्तल  
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर,  
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)  
निखिल कुमावत  
(बी.टेक, चतुर्थ सेमेस्टर, कंप्यूटर साइंस एवं  
इंजीनियरिंग)  
समृद्धि  
(एमबीए, द्वितीय सेमेस्टर,  
फार्मास्यूटिकल बिजनेस मैनेजमेंट)  
रितिका नीमरोट  
(मास्टर्स, प्रथम सेमेस्टर, पीसीवी)  
ऋषु रंजन  
(बी.टेक, द्वितीय सेमेस्टर,  
यांत्रिक अभियांत्रिकी)  
करमवीर स्वामी  
(एमबीए, चतुर्थ सेमेस्टर,  
फार्मास्यूटिकल बिजनेस मैनेजमेंट)  
देवांश पारिख  
(मास्टर्स, द्वितीय सेमेस्टर, पीपीएच)